News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-128
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

यूँ ही नहीं मिलती सफलता बहुत कुछ खोना पड़ता है, मेहनत और लगन के धागों को हौंसलों से पिरोना पड़ता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, रविवार 11 अगस्त 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सिंगल कॉलम

1987 बैच के आईएएस अधिकारी टीवी सोमनाथन होंगे नए कैबिनेट सचिव

नई दिल्ली। सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी टीवी सोमनाथन को देश के अगले कैबिनेट सचिव के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लिया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा शनिवार को जारी सर्कुलर के अनुसार, तमिलनाडु कैडर के 1987 बैच के आईएएस अधिकारी टीवी सोमनाथन इस महीने के अंत में अपना नया कार्यभार संभालेंगे। सोमनाथन झारखंड कैडर के 1982 बैच के आईएएस अधिकारी और मौजूदा कैबिनेट सचिव राजीव गौबा की जगह लेंगे। सर्कुलर के अनुसार, कैबिनेट सचिव का पद ग्रहण करने से पहले सोमनाथन कैबिनेट सचिवालय में विशेष कार्य अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। उनका कार्यकाल 30 अगस्त से शुरू होगा और वह अगले दो सालों तक इस पद पर बने रहेंगे। कैबिनेट सचिव भारत सरकार की कार्यपालिका में सबसे उच्च पद होता है। कैबिनेट सचिव के रूप में नियुक्त अधिकारी, भारत सरकार के सचिवों की समिति (उङ्म्रे33ी ङ्मा री1ी3ां12) का प्रमुख होता है। यह पद भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठतम अधिकारियों में से एक को दिया जाता है, जो सीधे प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल को प्रशासनिक सलाह देने के लिए जिम्मेदार होता है। कैबिनेट सचिव का कार्यकाल आमतौर पर दो साल का होता है लेकिन इसे सरकार के विवेकानुसार बढ़ाया भी जा सकता है। इस पद पर बैठे व्यक्ति को प्रशासनिक कार्यों में व्यापक अनुभव और नेतृत्व क्षमता की आवश्यकता होती है, क्योंकि यह भूमिका सरकार की नीतियों के कार्यान्वयन, विभिन्न मंत्रालयों के बीच समन्वय, और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

विनेश के सिल्वर मेडल पर फैसला टला सीएएस कोर्ट कल फैसला सुनाएगा

नई दिल्ली। कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) अब भारतीय रेसलर विनेश फोगाट के सिल्वर मेडल पर फैसला अब 11 अगस्त को सुनाएगा। पहले कहा जा रहा था कि सीएएस भारतीय समयानुसार 9ू30 बजे अपना फैसला सुनाएगा, लेकिन कोर्ट ने इसकी समय सीमा बढ़ा दी है। शुरूआती जानकारी में 13 अगस्त को फैसला सुनाने की बात सामने आई थी। 9 अगस्त को सीएएस ने 3 घंटे तक इस मामले की सुनवाई की थी। इस दौरान विनेश भी वर्चुअली मौजूद रहीं। भारतीय ओलिंपिक संघ (आईओए) की ओर से सीनियर वकील हरीश साल्वे ने विनेश का पक्ष रखा। फाइनल मैच से पहले विनेश को 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के चलते अयोग्य घोषित कर दिया गया था, जबकि शुरूआती दौर से पहले किए गए वजन में विनेश 50 किलोग्राम वेट कैटेगरी की तय सीमा से कम थीं। ऐसे में विनेश ने जॉइंट सिल्वर मेडल की मांग की है। इस मामले पर कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) ने कहा, ह्यहम विनेश के केस में प्रक्रियाएं तेजी से कर रहे हैं, लेकिन उनकी अपील पर एक घंटे में फैसला देना संभव नहीं है। इस मामले में पहले यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग का पक्ष सुना जाना जरूरी है। फैसला डॉक्टर एनाबेल बेनेट को करना है। विनेश के मामले में इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने ह्यक्या एक भार वर्ग में दो सिल्वर दिए जा सकते हैं? इस सवाल पर कहा- ह्यनहीं, यदि आप सामान्य रूप से एक वर्ग में दो सिल्वर मेडल दिए जाने के बारे में पूछ रहे हैं।

इंदौर में सोमवार से शहर के बाहर से चलेंगी लंबी दूरी की बसें

इंदौर। लंबी दूरी की बसों का संचालन शहर के भीतर से बंद करने के लिए विगत दिनों प्रशासन द्वारा गठित कमेटी ने ट्रैवल्स कार्यालय पर कार्रवाई की थी। कार्रवाई के बाद ट्रैवल्स संचालकों को प्रशासन ने तीन दिन में शिफ्टिंग करने का समय दिया था।सोमवार से बस संचालकों को रिंग रोड के पार से लंबी दूरी की बसों का संचालन करना होगा। शहर के अंदर बसों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। जिला प्रशासन द्वारा ट्रैवल्स संचालकों को एक माह की मोहलत बसों को शहर से बाहर करने के लिए दी गई थी। तय समय बाद भी ट्रैवल्स संचालकों ने बसों का संचालन बाहर से शुरू नहीं किया तब गुरुवार को जांच दल ने सात ट्रैवल्स संचालकों के कार्यालय सील कर दिए और छह बसों को जब्त कर लिया। प्रशासन की कार्रवाई के बाद ट्रैवल्स संचालकों ने शिफ्टिंग के लिए तीन दिन का समय मांगा था। कलेक्टर आशीष सिंह का कहना है कि यातायात सुधार के लिए लंबी दूरी की बसों का संचालन शहर के बाहर से किया जा रहा है। ट्रैवल्स संचालकों को नायता मुंडला बस स्टैंड से संचालन का विकल्प भी दिया है। यदि वह यहां से संचालन नहीं करना चाहते हैं, तो निजी जमीन से बसों का संचालन कर सकते हैं। रतलाम मंडल से होकर चलने वाली गांधीधाम एक्सप्रेस सहित दो ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेंगी। मार्ग परिवर्तन आनंद-गोधरा खंड में दोहरीकरण हेतु प्रस्तावित ब्लाक के कारण किया गया है। 11 अगस्त से 8 सितंबर तक इंदौर गांधीधाम एक्सप्रेस का परिवर्तित मार्ग वाया गोधरा, छायापुरी, बाजवा, गेरतपुर रहेगा। 14 अगस्त से 4 सितंबर तक वेरावल-इंदौर महामना एक्सप्रेस भी परिवर्तित मार्ग से आएगी।

अनंतनाग में आतंकियों के साथ एनकाउंटर, 2 जवान शहीद

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच शनिवार (10 अगस्त) दोपहर 2 बजे एनकाउंटर शुरू हुआ था। इसमें 2 जवान शहीद हो गए, जबकि 3 घायल हैं। अनंतनाग के अहलान गगरमंडू इलाके में सुरक्षाबल आतंकियों को माकूल जवाब दे रहे हैं। दूसरा एनकाउंटर किश्तवाड़ इलाके में जारी है। वहीं, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 4 आतंकियों के स्कैच जारी कर इनकी सूचना देने पर 5 लाख का ईनाम रखा है। ये आतंकी 8 जुलाई को सेना के काफिले पर हमले में शामिल थे। जानकारी के मुताबिक, अहलान इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ तब शुरू हुई जब आतंकवादियों की ओर से खोजी टीम पर फायरिंग की गई। इसके जवाब में जवानों ने भी फायरिंग की। इससे पहले 6 अगस्त को बसंतगढ़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच शाम 4 बजे के करीब मुठभेड़ शुरू हुई थी। दोनों ओर से दो घंटे तक गोलीबारी हुई। मौसम खराब होने और धुंध के बीच सुरक्षाबलों ने देर शाम तक तलाशी अभियान चलाया। सेना ने जंगल में छिपे आतंकियों की घेराबंदी बढ़ा दी।

आधी रात 47 आईएएस-आईपीएस के तबादले

7 जिलों के कलेक्टर-एसपी भी बदले

भोपाल। मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार ने शनिवार रात 1 बजे 47 आईएएस-आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए। इनमें 7 जिले के कलेक्टर-एसपी भी शामिल हैं। गृह विभाग ने 1992 बैच के अधिकारी डीसी सागर को एडीजी पुलिस मुख्यालय भोपाल बनाया है। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार, श्रम विभाग के प्रमुख सचिव सचिन सिन्हा और चंबल संभाग के कमिश्नर संजीव झा को राजस्व मंडल की कमान सौंपी गई है। जबकि, उमाकांत उमराव को श्रम विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। सीनियर आईएएस संजीव सिंह भोपाल कमिश्नर बनाए गए हैं। 2012 बैच के आईएएस केदार सिंह शहडोल कलेक्टर, उज्जैन जिपं सीईओ मृणाल मीणा बालाघाट कलेक्टर बनाए गए हैं।

मोहन यादव ने लाड़ली बहनों के साथ मनाया रक्षाबंधन पर्व

टीकमगढ़। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को टीकमगढ़ जिले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने नारायण दास खरे स्टेडियम में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया और बहनों से राखी बंधवाई। मुख्यमंत्री ने बरेदी नृत्य में भी भाग लिया और लाठी चलाकर इस पारंपरिक नृत्य का आनंद लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आश्वासन दिया कि टीकमगढ़ जिले की सभी मांगों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में बुंदेलखंड को केवल धोखा मिला है। उन्होंने बताया कि बुंदेलखंड की सबसे बड़ी परियोजना, केन-बेतवा सिंचाई योजना का भूमि पूजन सितंबर में होगा। भविष्य में बुंदेलखंड पंजाब से भी आगे बढ़ेगा। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपनी जमीनों को न बेचें, क्योंकि आने वाले समय में बुंदेलखंड की जमीन सोना उगलेगी। मुख्यमंत्री ने सम्मान निधि पर भी बात की, यह बताते हुए कि यह योजना किसानों के लाभ के लिए जारी रहेगी, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीति है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में बुंदेलखंड की वीरता की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड ने मुगल और ब्रिटिश काल में कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। रानी लक्ष्मीबाई और राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जैसे महान व्यक्तित्वों की धरती बुंदेलखंड की वीरता की गाथा है, और उन्होंने सभी वीरों को नमन किया। रक्षाबंधन के अवसर पर, मुख्यमंत्री ने पहले विभागों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और फिर लाडली बहनों के पास जाकर अपनी कलाई पर राखी बंधवाई। जिला प्रशासन ने आंगनबाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया था। मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन को भाई-बहन के रिश्ते का सबसे बड़ा त्योहार बताया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि उनकी सरकार हर संभाग और जिला मुख्यालय पर उद्योग स्थापित करने की योजना बना रही है, जिससे बेरोजगारी कम हो सके। टीकमगढ़ में मेडिकल कॉलेज का शीघ्र भूमि पूजन होगा और दूध बेचने वाले किसानों को बोनस भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि आज टीकमगढ़ की 211,000 बहनों के खातों में लाडली लक्ष्मी योजना की राशि और रक्षाबंधन की अतिरिक्त राशि जमा की गई है। कांग्रेसी मजाक उड़ाते थे, कहते थे...योजना चल नहीं पाएगी।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट में सेबी चेयरपर्सन के खिलाफ 4 गंभीर आरोप

माधबी बुच बोलीं- सभी आरोप सच्चाई से परे

हिंडनबर्ग। अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपनी ताजा रिपोर्ट में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच पर कदाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। जिसमें विनोद अडानी से जुड़े ऑफशोर फंड से लिंक, उनके कंसल्टिंग बिजनेस में वित्तीय अस्पष्टता और बहुत कुछ शामिल है। इसके बाद रविवार को सेबी चीफ ने हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने एक बयान जारी कर आरोपों को निराधार और सच्चाई से परे बताया। उन्होंने कहा कि उनका जीवन और वित्तीय स्थिति एक खुली किताब है और सभी आवश्यक खुलासे पहले ही विनिमय बोर्ड को प्रदान किए जा चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे शीघ्र ही पूरी पारदर्शिता के साथ एक डिटेल बयान जारी करेंगे। हिंडनबर्ग रिसर्च ने 18 महीने पहले अडाणी ग्रुप से जुड़ी एक रिपोर्ट जारी की थी। जिसे लेकर काफी हंगामा मचा था। इसकी जांच सेबी चीफ माधुरी के अगुआई में हुई। अब हिंडनबर्ग ने रिपोर्ट में दावा किया है कि सेबी प्रमुख के पति की अडाणी से लिंक मॉरीशस ऑफशोर कंपनी में हिस्सेदारी है। जांच के दौरान मॉरीशस और ऑफशोर शेल कंपनियों के खिलाफ कम इंटरेस्ट दिखाना शक पैदा करता है।

नहीं रहे पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह

पीएम मोदी ने कूटनीति और विदेश नीति में योगदान को सराहा

दिल्ली। पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह का शनिवार रात को गुड़गांव के मेदांता हॉस्पिटल में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे 95 साल के थे और लंबे समय से बीमार थे। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए कहा, पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह जी के निधन की खबर दुखद है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शोक व्यक्त किया और कहा, श्री नटवर सिंह जी के निधन से दुखी हूं। उन्होंने कूटनीति और विदेश नीति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे अपनी बुद्धिमत्ता और लेखन के लिए भी प्रसिद्ध थे। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति। बता दें कि नटवर सिंह का जन्म 1931 में राजस्थान के भरतपुर जिले में हुआ था। वे एक अनुभवी राजनयिक थे जिन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में विदेश मामलों में अनुभव का फायदा उठाया। उन्होंने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया और 1984 में राष्ट्र सेवा के लिए उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। कांग्रेस के पूर्व सांसद नटवर सिंह ने 2004 से 2005 तक यूपीए-1 सरकार के दौरान भारत के विदेश मंत्री के रूप में सेवा दी। वे पाकिस्तान में भारत के राजदूत भी रहे और 1966 से 1971 तक प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यालय में कार्यरत रहे। नटवर सिंह एक मशहूर लेखक भी थे, जिन्होंने कई महत्वपूर्ण किताबों की रचना की, जिनमें द लेगेसी ऑफ नेहरूू ए मेमोरियल ट्रिब्यूट और माई चाइना डायरी 1956-88 शामिल हैं। उनकी आत्मकथा का शीर्षक वन लाइफ इज़ नॉट इनफ है।

बढ़ सकती है वापसी की तारीख, 2025 तक स्पेस में रहना बड़ा खतरा

नासा ने नहीं बनाया सुनीता विलियम्स की अंतरिक्ष से वापसी का प्लान

वॉशिंगटन। नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को स्पेस में गए दो महीने से ऊपर हो चुके हैं। उनकी वापसी में लगातार देरी हो रही है। नासा ने घोषणा की है कि विलियम्स की वापसी की तारीख फरवरी 2025 तक बढ़ सकती है। बोइंग स्टारलाइनर अपनी पहली मानव उड़ान पर 5 जून 2024 को लॉन्च हुआ था। सात दिनों के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को वापस आना था। नासा ने कहा है कि अब अंतरिक्ष यात्रियों को बोइंग स्टारलाइनर की जगह स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन से पृथ्वी पर वापस लौटना पड़ सकता है। यह बोइंग स्टारलाइनर के लिए एक बड़ी कामयाबी के तौर पर नहीं देखा जा सकता। स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन के जरिए अगर वह अंतरिक्ष से आती हैं तो उनके लौटने का मिशन आठ महीने से ज्यादा बढ़ाया जा सकता है। अंतरिक्ष में रुकने के लिहाज से यह बड़ा समय है। ऐसे में अंतरिक्ष यात्रियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर इतने लंबे मिशन के प्रभाव की चिंता है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन दुनिया का सबसे महंगा प्रोजेक्ट है, जिसे बनाने में 150 अरब डॉलर लगे हैं। यह रहने की सुविधाओं, सोने के क्वार्टर और यहां तक कि एक जिम से सुसज्जित है। लेकिन धरती की तुलना में यहां सुरक्षा हमेशा चुनौती रही है।

रेडिएशन का बड़ा खतरा- स्पेस स्टेशन धरती से 400 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी का चक्कर लगाता है। यानी कि इसमें रहने वाले लोग हानिकारक सौर रेडिएशन से सुरक्षित नहीं है। परिक्रमा के दौरान दक्षिण अमेरिका के पूर्वी तट के पास स्पेस स्टेशन एक ऐसे बिंदु से होकर गुजरता है, जहां रेडिएशन धरती की तुलना में 30 गुना ज्यादा है। दूसरे शब्दों में एक आदमी जितना रेडिएशन धरती पर अनुभव करता होगा, उतना अंतरिक्ष यात्री एक सप्ताह में कर लेते हैं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक अंतरिक्ष यात्री 50 से 20000 मिली-सीवर्ट (ऱ5) तक के रेडिएशन के संपर्क में आते हैं। मिली-सीवर्ट रेडिएशन मापने की इकाई है। तुलना के लिए 1 मिली-सीवर्ट छाती के तीन एक्स-रे रेडिएशन के बराबर है।

शरीर पर पड़ेगा विपरीत प्रभाव- प्रभावी रूप से अंतरिक्ष यात्री 150-6000 छाती एक्स-रे विकिरण के जोखिम का अनुभव करते हैं। इतने रेडिएशन में लंबे समय तक रहना कैंसर का कारण हो सकता है। उतकों को नष्ट करने के साथ तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके अलावा अंतरिक्ष यात्रियों को माइक्रोग्रेविटी में रहना भी नुकसान दे सकता है। माइक्रोग्रेविटी में रहना हड्डी और मांसपेशियों को नुकसान पहुंचा सकता है। गुरुत्वाकर्षण के कारण हमारे शरीर का तरल निचले हिस्से में चला जाता है। इस स्थिति को संतुलित करने के लिए शरीर में कई प्रणालिया है। लेकिन जब गुरुत्वाकर्षण नहीं होता तब हमारे शरीर का ज्यादातर तरल ऊपरी हिस्से में चला जाता है। इससे अंतरिक्ष यात्रियों के चेहरे पर सूजन आ जाती है।

मानसिक रूप से भी प्रभावित कर सकता है अंतरिक्ष में रहना अंतरिक्ष में रहना शारीरिक के साथ-साथ मानसिक रूप से भी प्रभावित कर सकता है। खास तौर से जब स्थिति बोइंग स्टारलाइनर की तरह हो। क्योंकि अंतरिक्ष यात्री यह मान कर चल रहे थे कि वह 8 दिनों में वापस आ जाएंगे। लेकिन उन्हें 8 महीने यहां रहना पड़ सकता है। इसके अलावा पृथ्वी के 400 किमी ऊपर कुछ ही लोगों के साथ रहना एक बड़ा चैलेंज है। एक समाज के साथ न रहना भी दिमाग पर प्रभाव डालता है।

News सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network
अवश्यकता है
इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।
डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं
डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम
डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़
रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे
9755996590

सिंगल कॉलम

सेंट्रल जेल में हत्या के आरोपी की संदिग्ध मौत

इंदौर। सेंट्रल जेल में बंद हत्या के आरोपी की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। वह रात को सोया था, सुबह लॉकअप खुला तो वह नहीं उठा। सेंट्रल जेल के जेलर एस एस नागर के अनुसार मृतक का नाम देवी सिंह पिता मानेसर उम्र 40 साल है। वह 2015 से जेल में बंद था। बुरहानपुर में हत्या के मामले में वह जेल आया था। रात को वह बैरक नंबर 7 के 3 नंबर वार्ड में सोया था। शनिवार सुबह जब लॉकअप खुला तो बंदी बाहर आए, लेकिन वह नहीं उठा। उसके साथ वाले बंदियों ने उसे हिलाया तो वह अचेत मिला। इसके बाद तुरंत ही जेल के डॉक्टर ने उसकी जांच की, फिर एमवाय अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही वजह साफ हो पाएगी।

80 साल पुराने दो जर्जर मकान किए ध्वस्त

इंदौर। शहर में शनिवार को नगर निगम ने 80 साल पुराने दो जर्जर मकानों को तोड़ने की कार्यवाही की है। दरअसल ये मकान बारिश में खतरनाक स्थिति में थे। इन्हें काफी समय पहले खाली करा लिया गया था। निगम ने ऐसे 96 जर्जर भवन चिन्हित किए हैं, जिन्हें जल्द तोड़ा जाएगा। सागर की घटना के बाद प्रदेशभर में ऐसे जर्जर मकानों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। शहर में जर्जर तोड़ने की कार्रवाई बजाज खाना चौक में की गई है। नगर निगम रिमूवल टीम ने जोन 2 में 80 साल पुराने दो जर्जर मकानो कुछ ही समय में तोड़ दिया। ये दोनों मकान बहुत पुराने थे। इनके कभी भी गिरने से हादसा होने का खतरा बढ़ गया था। इसके चलते शनिवार सुबह रिमूवल टीम ने इन्हें जमींदोज कर दिया।

खजराना फ्लायओवर की एक लेन 85 फीसदी तैयार

इंदौर। खजराना चौराहा पर बन रहे फ्लायओवर की एक लेन 85 फीसदी तैयार हो चुकी है। इस लेन पर लाइटिंग का काम शुरू किया जा रहा है। वहीं दोनों तरफ सॉलिड एप्रोच (ढलान) पर तरी की जा रही है। चूंकि ब्रिज के पास ही खजराना गणेश मंदिर है, इसलिए ब्रिज के नीचे बोगदों में भी भगवान अष्टविनायक के विभिन्न मुद्राओं वाले म्यूरल्स लगाए जाएंगे। गैलरी की तरह बोगदों के नीचे सजावट की जाएगी। भंवरकुआं क्षेत्र में छात्र-छात्राओं का दबाव अधिक है। छात्र-छात्राओं के लिए यात्री प्रतीक्षालय जैसी सुविधाएं बोगदे में जुटाई जाएंगी। चौराहा पर आने के बाद स्टूडेंट्स को आई बस, सिटी बस से कहीं जाना हो तो ब्रिज के नीचे बोगदों से उन्हें कनेक्टिविटी मिल सकेगी। प्राधिकरण के चेयरमैन दीपक सिंह, सीईओ रामप्रकाश अहिरवार ने पिछले दिनों दोनों ब्रिज का निरीक्षण किया। बंगाली से खजराना की ओर जाने के लिए बनी लेन को शुरू किया जा सकता है। अभी यहां लाइटिंग का काम बाकी है। ब्रिज पूरा होने के बाद इसे शुरू करने के लिए भी कुछ दिन का वक्त लिया जाता है। ब्रिज का बारीकी से निरीक्षण भी होता है। इसका मतलब यह है कि अगस्त में भी लेन शुरू नहीं होगी। वहीं, फूटी कोठी ब्रिज की दोनों लेन आपस में जुड़ी हुई हैं। इस ब्रिज के सॉलिड एप्रोच बनाए जा रहे हैं। इस साल के अंत में ही यह शुरू हो पाएगा।

केंद्रीय विद्यालय में विद्यार्थियों ने सैनिकों के लिए बनाई रंगबिरंगी राखियां

इंदौर। केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 इंदौर में रक्षाबंधन को ध्यान में रखते हुए सरहद पर देश की रक्षा में लगे हुए सैनिकों के लिए राखी भेजने का कार्यक्रम हुआ। बतौर अतिथि प्राचार्य सुधीर वाजपेयी, उप प्राचार्य निरंजना सक्सेना एवं संगिनी संस्था की संस्थापिका ममता दीदी एवं छाया दीदी मौजूद रहीं। कार्यक्रम को मूर्तरूप विद्यालय की प्रधान अध्यापिका रूपाली यादव द्वारा दिया गया । भारतीय परंपरा के अनुसार बच्चों ने तिलक लगाकर अतिथियों का स्वागत किया। केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 के प्राथमिक विभाग के बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार की रंग बिरंगी राखियों का निर्माण किया गया। प्रधान अध्यापिका, पालकों एवं विद्यालय के प्राथमिक विभाग के शिक्षकों के सहयोग से यह कार्य पूर्ण हो सका। कार्यक्रम का संचालन राजू भालराय एवं शिवानी मोरे द्वारा किया गया। बच्चों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए एवं रक्षाबंधन के संदर्भ में भी बच्चों ने अलग-अलग गीत गाकर मनोरंजन किया। वरिष्ठ हिंदी स्नातकोत्तर शिक्षक डॉ. सत्य प्रकाश व्यास भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। उन्होंने छोटी-छोटी कहानियों से बच्चों को रक्षाबंधन का महत्व समझाया। प्राचार्य एवं प्रधान अध्यापिका रूपाली यादव द्वारा बच्चों के द्वारा बनाई हुई राखियों को ममता दीदी को भेंट किया गया ताकि वह इन राखियों को सरहद पर हमारी रक्षा कर रहे सैनिक भाइयों तक पहुंचा सके। प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में बच्चों को रक्षाबंधन के त्यौहार के महत्व के विषय में बताया एवं यह भी बताया कि क्यों सैनिक भाइयों को राखी पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है।

शहर के विकास में नागरिकों की भूमिका विषय पर आयोजित मासिक व्याख्यान में बोले संभागायुक्त

पग-पग नीर वाला इंदौर अब सूखा क्षेत्र हो गया

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर के विकास के लिए आधुनिक तकनीक के साथ कदमताल करना जरूरी है। ग्रीन एनर्जी वर्तमान समय की आवश्यकता है। इस क्षेत्र में हमें और ज्यादा काम करने की जरूरत है।

यह बात संभागायुक्त दीपक सिंह ने कही। वे शनिवार शाम को अभ्यास मंडल द्वारा शहर के विकास में नागरिकों की भूमिका विषय पर आयोजित मासिक व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। इस व्याख्यान का आयोजन मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति के सभागार में किया गया। इस मौके पर अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि पहली सांस लेने के साथ हमारा जीवन शुरू होता है और अंतिम सांस लेने के साथ समाप्त होता है। इस तरह से दो सांस के बीच में हमारा जीवन चलता है। इस जीवन काल में हम जिस माटी में रहते हैं उसके स्वभाव के अनुसार हमारा कार्य और व्यवहार बनता है। इंदौर और उसके आसपास के क्षेत्र को मालव अंचल के रूप में पहचाना जाता है। इसे लेकर यह कहावत प्रसिद्ध है कि डग - डग रोटी - पग पग नीर। अब भू जल का स्तर इतना ज्यादा नीचे जा चुका है कि इंदौर संभाग का क्षेत्र ड्राई एरिया के रूप में परिवर्तित हो गया है।

स्वच्छता में मिसाल बन गया इंदौर

उन्होंने कहा कि नागरिकों के द्वारा अपने घर, मोहल्ला और समाज में काम करने का क्या प्रभाव हो सकता है इसका ज्वलंत उदाहरण इंदौर की स्वच्छता है। हर नागरिक ने यह तय किया कि मैं अपना कचरा बाहर नहीं फेंकूंगा। बाहर के शहर से जो नागरिक आए उन्हें जागृत करने का भी काम किया गया। ऐसे कई उदाहरण हैं जो की इंदौर में नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका से स्थिति में आए बदलाव को स्पष्ट करते हैं। केरल, बेंगलुरु, पुणे और जापान के टोक्यो में नागरिकों के द्वारा जो काम किया गया वह आज इस शहर की पहचान बन गया है।

हरियाली पर काम करना होगा

इंदौर में पुराने वक्त में किए गए काम का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि एक समय इंदौर के एमवाय अस्पताल की हालत बहुत ज्यादा खराब थी। तो यहां

पर नागरिकों के द्वारा सहयोग करते हुए रोगी कल्याण समिति का गठन किया गया। इस समिति के माध्यम से एमवाय अस्पताल की स्थिति में तो सुधार आया ही सही उसके साथ-साथ पूरे प्रदेश ने विकास के इस मॉडल को अपनाया। हमें यह याद रखना चाहिए कि इंदौर की ताकत औद्योगिक और व्यापारिक क्षेत्र है। हमारे शहर में सड़क चाहे कितनी भी चौड़ी बन जाए लेकिन यातायात का बढ़ना, कार्बन ज्यादा होना और एयर क्वालिटी कमजोर होना एक चुनौती बना हुआ है। एक व्यक्ति को सांस लेने के लिए 6 पेड़ की ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। ऐसी स्थिति में इंदौर में नागरिकों और पेड़ की आबादी में संतुलन बनाना होगा। हाल ही में एक दिन में इंदौर में नागरिकों के द्वारा 12 लाख पौधे लगाकर विश्व कीर्तिमान बनाया गया है। अन्य शहरों की तुलना में जन भागीदारी की दिशा में इंदौर बहुत आगे है। यहां पर और अधिक बेहतर कार्य के लिए माहौल बनाने की आवश्यकता है। इंदौर में अपनेपन की भूमिका रही है।

दीपक सिंह ने कहा कि सिस्टम परिवर्तनशील है। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में परिवर्तन के हिसाब से इंदौर में यदि हमने स्वयं को नहीं बदला तो विकास की दौड़ में पिछड़ जाएंगे। एक समय था जब पोस्टकार्ड लिखे जाते थे, लिफाफे में राखी भेजी जाती थी और किताब खरीद कर पढ़ी जाती थी। अब मॉडर्न जमाना हो गया है। व्हाट्सएप से संदेश आ जाते हैं और ऑनलाइन किताब पढ़ ली जाती है। ऐसे में मॉडर्न तकनीक के साथ कदमताल करना जरूरी है। हमें यह मालूम होना चाहिए कि दुनिया में क्या हो रहा है? उन्होंने कहा कि ग्रीन एनर्जी वर्तमान समय की आवश्यकता है। इस क्षेत्र में इंदौर और मध्य प्रदेश में काफी काम हुआ है लेकिन अभी और काम किए जाने की आवश्यकता है।

मुख्य अतिथियों को दिया स्मृति चिन्ह

प्रारंभ में वक्ता का स्वागत बसंत सोनी, कुणाल भंवर ने किया। कार्यक्रम में रामेश्वर गुप्ता, गौतम कोठारी, दिलिप वाघेला, शंकर गर्ग, सुनिल मेहता, सुरेश उपाध्याय उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन माला सिंह ठाकुर ने किया। अतिथि को स्मृति चिन्ह सेवानिवृत पुलिस अधिकारी धर्मेंद्र चौधरी ने भेंट किया। अंत में आभार प्रदर्शन अशोक कोठारी ने किया।

इस माह 10 दिन में सिर्फ दो इंच गिरा पानी, तेज बारिश का इंतजार

अगस्त का दूसरा पखवाड़ा शुरू हो चुका है, लेकिन इंदौर में अभी तक जमकर बारिश नहीं हुई है। शुक्रवार से शनिवार शाम तक भी 8 मिमि पानी गिरा है। अगस्त के दस दिन में दो इंच पानी गिर चुका है। इस साल की स्थिति पिछले साल जैसी ही है। साल 2023 में पूरे अगस्त में सिर्फ 2.7 इंच बारिश दर्ज की गई थी, जबकि औसतन इस महीने 13 इंच बारिश होती है। यानी इस साल अभी तक 11 इंच बारिश की कमी है और महीने में केवल 20 दिन बचे हैं। हालांकि, शनिवार शाम को शहर के कुछ इलाकों में हल्की बारिश शुरू हुई। मौसम विभाग के अनुसार, अगले एक-दो दिनों में भी बारिश हो सकती है, उसके बाद 15 अगस्त तक मौसम साफ रहने की संभावना है।

अगस्त, सितंबर से उम्मीदें

इससे पहले जुलाई महीने में भी इंदौर में औसत से कम बारिश हुई थी। पिछले साल जुलाई में 23 इंच बारिश हुई थी, जबकि इस साल यह आंकड़ा सिर्फ 10 इंच रहा। यानी पिछले साल की तुलना में इस साल जुलाई में 7 इंच कम बारिश हुई है। हालांकि, मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगस्त और सितंबर के अंत में अच्छी बारिश हो सकती है।

इंदौर में तेज बारिश हो सकती है

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के अनुसार, फिलहाल तीन चक्रवाती परिसंचरण और एक मानसून ट्रफ सक्रिय हैं। मानसून ट्रफ मध्य प्रदेश के कई जिलों से होकर गुजर रही है। इस कारण शनिवार रविवार को राज्य के उत्तरी और पूर्वी हिस्से में बारिश हो सकती है। बाकी जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है।

इंदौर में भी एक-दो दिनों तक गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

शहर के बड़े अस्पताल के फिर कायाकल्प की तैयारी, मरीज के साथ आए अटेंडर को अस्पताल के गार्डन या गलियारों में नहीं पड़ेगा ठहरना

एमवायएच में बनेगा 400 बेड का ट्रामा सेंटर और 500 बेड की धर्मशाला

सिटी चीफ इंदौर।

मध्य प्रदेश के सबसे बड़े एमवाय अस्पताल का तीसरी बार कायाकल्प होने जा रहा है। अस्पताल में 400 बेड का ट्रामा सेंटर और अटेंडर के लिए 500 बेड की धर्मशाला बनाई जाएगी। एमआरटीबी अस्पताल को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में बनाने की योजना है। इससे बड़ी संख्या में संभाग के मरीजों और उनके स्वजन को लाभ मिलने लगेगा। अस्पताल प्रबंधन ने कार्यों को लेकर प्रस्ताव तैयार कर भेज दिया है। इसके बाद अस्पताल की सूरत बदली नजर आएगी।

मध्य प्रदेश भवन विकास निगम (बीडीएस) का एक पत्र मेडिकल कॉलेज डीन के पास आया था, जिसमें एमवायएच में नवनिर्माण, नवीनीकरण और उन्नयन के कार्यों की जानकारी मांगी गई थी। इसके तहत जानकारी भेजी गई है। अधिकारियों के मुताबिक करीब 550 करोड़ के बजट के नवनिर्माण और रिनोवेशन आदि कार्य एमवायएच और चाचा नेहरू अस्पताल में होने हैं। इसके लिए पहले भी प्रस्ताव भेजा जा चुका है। नए कार्य होने से मरीजों को लाभ मिलने लगेगा।

मरीज के साथ आए अटेंडर को भी मिलेगी सुविधा

अभी संसाधनों की कमी के कारण कई बार मरीजों को परेशानी होती है। अटेंडर भी परिसर में यहां-वहां रुकते हैं, लेकिन धर्मशाला बनने से उन्हें भी सुविधा मिलने लगेगी। बता दें कि जल्द ही बीडीएस की टीम अस्पताल में निरीक्षण के लिए आएगी, इसके बाद मंजूरी मिलेगी।

कनाड़िया में 50 बिस्तर का अस्पताल बनाया जा रहा है। 10 करोड़ की लागत से बनने

वाले इस अस्पताल का निर्माण नवंबर तक पूरा करने का लक्ष्य है। मंत्री तुलसी सिलावट ने अधिकारियों के साथ अस्पताल के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और जल्द निर्माण के निर्देश दिए। सांवेर विधानसभा क्षेत्र के कनाड़िया में जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट की पहल पर अस्पताल का निर्माण कार्य किया जा रहा है। निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करने के लिए मंत्री अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में निर्मित होने वाली अलग-अलग विंग का अवलोकन करते हुए निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार कनाड़िया योगेश मेश्राम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. बीएस सैत्या एवं नगर निगम इंदौर के सिटी इंजीनियर डीआर लोधी, निर्माण एजेंसी, पुलिस हाउसिंग बोर्ड के मुख्य अभियंता किशन विधानी आदि मौजूद रहे।

यह नए कार्य होंगे अस्पताल में

-शौचालय, वाशिंग एरिया, पेंट्री का रिनोवेशन, वाटर प्रूफिंग, वाटर सप्लाई का नवीनीकरण आदि कार्य।

-फैकल्टी रूम, डॉक्टर्स एवं नर्सिंग ड्यूटी रूम, कार्यालय, पीजी सेमिनार रूम और कैंटीन का रेनोवेशन कार्य।

-समस्त वार्ड और कॉरिडोर का टाइल्स के ऊपर एसीपी, फाल सिलिंग, एलईडी लाइट एवं दरवाजे-खिड़कियों का आधुनिक स्ट्रक्चर को ध्यान में रखते हुए नवीनीकरण।

-मुख्य द्वार, रिसेप्शन एवं फ्रंट एलिवेशन का कार्य, चारों तरफ एलिवेशन का कार्य, आधुनिक पद्धति से 400 बेड के ट्रामा सेंटर की स्थापना करना, सीवेज एवं ड्रेनेज लाइन को कवर करना, रंग-रोगन आदि।

-ओटी को माड्यूलर आपरेशन थिएटर में स्थापित करने का कार्य, अस्पताल के गार्डन एवं पार्किंग का आधुनिकीकरण।

पड़ोसी देश की यूनिटो को जॉब वर्क दे सकती हैं यहां की कंपनियां

बांग्लादेश संकट से मालवा-निमाड़ की रेडिमेड इंडस्ट्री को फायदा

सिटी चीफ इंदौर।

बांग्लादेश में गहराए राजनीतिक संकट का असर वहां की रेडिमेड इंडस्ट्री पर भी पड़ रहा है। कई बड़े ब्रांडों के रेडिमेड कपड़े बांग्लादेश में तैयार होते हैं और इससे वहां के लोगों को रोजगार मिलता है, लेकिन अब माना जा रहा है कि कई बड़ी कंपनियां भारत की तरफ मुड़ सकती है।

मालवा निमाड़ भी रेडिमेंड इंडस्ट्री का बड़ा हब है। पीथमपुर में कुछ बड़े ब्रांड है। इसके अलावा इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में कई रेडिमेड की 22 यूनिट हैं। रेडिमेड कपड़े बेचने वाली कंपनियां अब इन यूनिटो को जॉब वर्क दे सकती है। इंदौर में कॉटन के कपड़ों पर ज्यादा काम होता है। रेडिमेड इंडस्ट्री में काटन के कपड़ों की बड़ी डिमांड रहती है। बांग्लादेश में भी कॉटन के कपड़े ज्यादा बनते है। रेडिमेड इंडस्ट्री से जुड़े कारोबारियों के अनुसार बांग्लादेश में लेबर काफी सस्ती है और रेडिमेड कारखानों को वहां की सरकार भी कई तरह की रियायतें देती है। इससे वहां रेडिमेड इंडस्ट्री ग्रोथ कर रही थी, लेकिन अब देश की राजनीतिक अस्थिरता के कारण बड़े ब्रांड वहां निवेश करने से बच रहे है। इसका फायदा भारत सरकार को उठाना चाहिए,ताकि देश में भी रेडिमेड इंडस्ट्री पनप सके।

20 प्रतिशत जॉब वर्क बढ़ेगा

इंदौर रेडिमेड वस्त्र व्यापारी संघ के अध्यक्ष आशीष निगम बताते है कि पहले जारा, एच एंड एम के ब्रांड इंदौर में भी जॉब वर्क देते थे, लेकिन बाद में बांग्लादेश की यूनिटों से काम कराने लगे। बांग्लादेश की परिस्थियों को देखते हुए अब फिर से रेडिमेड इंडस्ट्री में 20 प्रतिशत ग्रोथ दिख सकती है। इंदौर और आसपास के क्षेत्रों की यूनिटों को भी इसका फायदा होगा। पीथमपुर,इंदौर में भी कुछ बड़े ब्रांड के जॉब वर्क होते है। रेडिमेड इंडस्ट्री अकुशल कॉरीगरों को सबसे ज्यादा रोजगार देती है। महिलाएं घर से जॉब वर्क करती है। इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। रेडिमेड इंडस्ट्री से जुड़ी नीतियों में बदलाव कर सरकार रेडिमेड इंडस्ट्री को बढ़ावा दे सकती है।

आईआईएम इंदौर : कागजों तक ही सीमित रह गए रूस, नेपाल, न्यूजीलैंड से समझौते पर साइन

23 देशों में 57 संस्थाओं से एमओयू, स्टूडेंट एक्सचेंज सिर्फ 10 के साथ

सिटी चीफ इंदौर।

आईआईएम इंदौर का 23 देशों में 57 संस्थाओं के साथ एमओयू है, लेकिन अब तक इनमें से सिर्फ 10 देशों के साथ ही उसका स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम हो सका है, उनमें भी सिर्फ 3 देशों के छात्र अब तक यहां पढ़ने आए हैं। वहीं 13 देशों के साथ तो पिछले 3 वर्ष में स्टूडेंट एक्सचेंज ही नहीं हुआ है। सवाल यह कि जिस उद्देश्य को लेकर एमओयू किए गए हैं, जब वही पूरा नहीं हो रहा है तो फिर इतनी लंबी प्रक्रिया की ही क्यों जा रही है?

फॉरेन एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत सिर्फ 58 छात्र यहां पढ़ने आए हैं, जबकि 335 छात्र यहां से अन्य देशों में पढ़ने गए हैं, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में

आधे से भी ज्यादा छात्र तो एक ही देश फ्रांस पढ़ने गए। यह संख्या 263 है, जबकि यहां आने वाले छात्रों में भी 80 प्रतिशत संख्या फ्रांस के छात्रों की ही है। वहां से 49 छात्र यहां पहुंचे। इसका बड़ा कारण यह है कि अकेले फ्रांस की ही 16 एकेडमिक संस्थाओं के साथ आईआईएम का समझौता है। दरअसल, एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र न्यूनतम तीन व अधिकतम छह माह की पढ़ाई के लिए आते-जाते हैं। छात्रों को सीजीपीए के आधार पर यह अवसर मिलता है। रूस, नेपाल, ताइवान, ग्रीस, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, स्विट्जरलैंड जैसे देशों और उनकी 35 संस्थाओं के साथ आईआईएम का एमओयू हुआ है, लेकिन अब तक यहां के एक भी स्टूडेंट्स का एक्सचेंज प्रोग्राम नहीं हुआ। समझौता सिर्फ कागजों तक सीमित रह गया है। हालांकि कुछ छात्र जर्मनी, ऑस्ट्रिया और बेल्जियम भी पढ़ने गए हैं। पिछले साल ही अमेरिका के भी 7 कॉलेजों के साथ आईआईएम इंदौर का समझौता हुआ है, लेकिन तब से अब तक एक भी स्टूडेंट न तो यहां से वहां गया है और न ही वहां से यहां आया है।

हम कई जॉइंट या ड्यूल डिग्री प्रोग्राम चला रहे

आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रोफेसर हिमांशु राय ने कहा कि किसी संस्था के साथ एमओयू करने का उद्देश्य केवल स्टूडेंट एक्सचेंज नहीं होता। हम फॉरेन यूनिवर्सिटी के साथ कई जॉइंट या ड्यूल डिग्री प्रोग्राम भी चला रहे हैं, रिसर्च प्रोजेक्ट पर भी काम कर रहे हैं और डाटा शेयरिंग भी कर रहे हैं। इसके अलावा कई सेमिनार, वर्कशॉप, एग्जिबिशन, सिंपोजियम आदि भी आयोजित किए जाते हैं।

अब तक 33 हजार वाहनों का हुआ पंजीयन, 60 हजार से ज्यादा लोग होंगे शामिल

14 को निकलेगी 30 किमी लंबी तिरंगा यात्रा, सीएम होंगे शामिल

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल की हुजूर विधानसभा के विधायक रामेश्वर शर्मा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत 14 अगस्त को भारतवर्ष की विशाल तिरंगा यात्रा आयोजित करने जा रहे हैं। यह तिरंगा यात्रा कर्मश्री संस्था के तत्वाधान में आयोजित की जाएगी जिसमें भोपाल सहित क्षेत्र के 65 से 70 हजार देशभक्त नागरिकों के शामिल होने की संभावना है। अखंड भारत स्मृति दिवस पर भारत की अखंडता के संकल्प के साथ रामेश्वर शर्मा द्वारा आयोजित इस यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सम्मिलित होंगे। यात्रा कोलार के मदर टेरेसा स्कूल से प्रारंभ होकर बैरागढ़ के दीनदयाल उपाध्याय मंडी भैंसाखेड़ी तक जाएगी। 30 किमी के इस रूट पर सैकड़ों मंचों के माध्यम से भोपाल की जनता द्वारा तिरंगा थामे राष्ट्रप्रेमियों का पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया जाएगा। भारत की विशाल तिरंगा यात्रा में शामिल होने के आयोजक संस्था कर्मश्री द्वारा वाहनों का पंजीयन किया गया है। संस्था अध्यक्ष विधायक रामेश्वर शर्मा ने बताया कि अब तक 33 हजार से अधिक दोपहिया वाहनों का यात्रा में शामिल होने के लिए पंजीयन किया जा चुका है। पंजीयन अभी भी जारी है और प्रतिदिन पंजीयन कराने के लिए लोग आगे आ रहे हैं। एक दोपहिया पर दो लोग सवार होंगे इस तरह से दोपहिया वाहनों मे सवार लगभग 65 से 70 हजार लोगों के

इस तिरंगा यात्रा में शामिल होने की उम्मीद है।

500 स्वागत मंच सजेंगे, समाज का हर वर्ग करेगा स्वागत

कर्मश्री की तिरंगा यात्रा मुख्यमंत्री मोहन यादव की मुख्य उपस्थिति में कोलार के मदर टेरेसा स्कूल से प्रस्थान कर बैरागढ़ तक जाएगी। 30 किलोमीटर के इस मार्ग में 500 से अधिक स्वागत मंच बनाए जा रहे हैं। इन स्वागत मंचों पर समाज का हर वर्ग यात्रा के स्वागत के लिए उपस्थित होगा। आम नागरिक, व्यापारी, नौकरीपेषा, युवा, बुजुर्ग, महिला, चिकित्सक, वकील, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी और स्टॉफ, विभिन्न जनसंगठन, कर्मचारी संगठन, सामाजिक संगठन आदि तिरंगा यात्रा के स्वागत के लिए विभिन्न स्थानों पर मौजूद रहेंगे।

फूलों के बजाए तिरंगा हाथों में लेकर स्वागत करें

आयोजक संस्था द्वारा स्वागत करने वालें नागरिकों और संगठनों से अनूठी अपील की गई है। संस्था अध्यक्ष विधायक रामेष्वर शर्मा ने बताया कि सभी से अपील की गई है कि तिरंगा यात्रा का स्वागत फूलों से करने के बजाए हाथो में तिरंगा लेकर, तिरंगा लहराते हुए करें। इससे तिरंगा यात्रा के वाहन सवारों के साथ साथ पूरे यात्रा मार्ग में लाखों हाथों में तिरंगा लहराएगा। इससे तिरंगे की शान भी बढ़ेगी और नई पीढ़ी के मन में राष्ट्रभक्ति का सागर भी हिलोरे मारेगा। तिरंगा यात्रा में महापुरुषों की जीवंत झांकियां भी निकलेंगी। शहीदों और क्रांतिकारियों के वेश में सजे युवा आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

पुलिस बैंड के लिए पत्र लिखकर आग्रह किया

शर्मा ने बताया कि तिरंगा यात्रा राष्ट्रीय आयोजन है। इसमें 14 अगस्त को भोपाल का हर नागरिक प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से शामिल होगा।

ऐसी देषभक्तिपूर्ण यात्रा का स्वागत भोपाल का हर नागरिक, हर वर्ग करेगा। अतः इसमे पुलिस बैंड के शामिल होता है तो यह एक अच्छा कदम होगा। इसके लिए पुलिस महानिदेषक को पत्र लिखकर आग्रह किया गया है।

प्रदेश में पांच साल में 168 से अधिक मौतें, अंतरराष्ट्रीय फंडिंग का संदेह

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघों के शिकार की साजिश

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघों के शिकार की अंतरराष्ट्रीय साजिश का अंदेशा जताया गया है। वन मुख्यालय ने यहां तैनात वनाधिकारियों को नोटिस थमाया है। जिसमें पूछा गया है कि तीन साल में 34 बाघों की मौत के मामले में दस बाघों के शवों का पोस्टमार्टम क्यों नहीं कराया गया, जबकि, नियमानुसार पोस्टमार्टम अनिवार्य होता है। यह भी जानना चाहा है कि इसके लिए कौन-कौन जिम्मेदार हैं।

वन विभाग ने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघों की मौत पर रिपोर्ट तैयार कर ली है। इसमें टाइगर रिजर्व के डॉक्टर को दोषी बताया गया है, लेकिन वहां अलग-अलग समय में पदस्थ रहे फील्ड डायरेक्टरों को लेकर कोई बात नहीं की गई और न ही उन्हें दोषी माना गया है। इनमें से कई तो सेवानिवृत्त हो चुके हैं। बाघों के शिकार में अंतरराष्ट्रीय फंडिंग का भी संदेह जताया जा रहा है। टाइगर रिजर्व में बाघों की मौत सामान्य न होकर शिकार किए जाने की आशंका जताई जा रही है। वर्ष 2021 में 12 बाघों की मौत हुई, तो 2022 में नौ और 2023 में 13 बाघों की मौत हुई। सबसे अधिक मौतें मनपुर बफर जोन में हुई।

इधर मध्य प्रदेश में पिछले पांच साल में 168 से अधिक बाघों की मौत हो चुकी है। वहीं देशभर में 607 मौतें हुई है। इस वर्ष सात माह में देशभर में 86 बाघों की मौत हुई। वहीं मध्य प्रदेश में 30 बाघों की मौत हुई है। इनमें अधिकांश प्रकरण बाघ के शिकार के है। पांच साल में मप्र में 2,28,812 वन अपराध के प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

बांधवगढ़ में घटनाओं की जांच के दौरान घटना स्थलों की जांच में श्वान दल और मेटल डिटेक्टर प्रयोग में नहीं लाए गए । साक्ष्य भी सुरक्षित नहीं रखे गए। जिसके चलते शिकार की घोषित घटनाओं में भी न्यायालय में प्रकरण कमजोर होता रहा।

बाघ की मौत के अधिकांश प्रकरणों में रिपोर्ट ही दर्ज नहीं की गई। पोस्ट मार्टम की वीडियोग्राफी नहीं की गई है और पोस्टमार्टम के दौरान डाक्टर मौजूद रहे, जिसके चलते मौत या हत्या की स्पष्टता नहीं हो सकी। शिकार वाले क्षेत्रों में सुरक्षा इंतजाम ही नहीं थे।

एयरपोर्ट अथारिटी ने ढाई माह पहले दी थी मनी एक्सचेंज काउंटर की स्वीकृति

इंटरनेशनल उड़ान शुरू होने से पहले ही खुलेगा मनी एक्सचेंज काउंटर

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजा भोज एयरपोर्ट से इंटरनेशनल उड़ानें प्रारंभ होने से पहले ही मनी एक्सचेंज काउंटर खुल जाएगा। भोपाल से दुबई, सिंगापुर, हांगकांग या अन्य किसी देश के लिए कनेक्टिंग उड़ान से जाने वाले यात्री भी करैंसी एक्सचेंज करा सकेंगे।

एयरपोर्ट अथारिटी ने करीब ढाई माह पहले मनी एक्सचेंज काउंटर की स्वीकृति प्रदान की थी। अब इसे इसी माह इसे खोले जाने की तैयारी की गई है। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी के अनुसार रिजर्व बैंक से लाइसेंस प्रक्रिया पूरी होती ही एयरपोर्ट पर भारतीय रूपयों के बदले विदेशी मुद्रा मिल सकेगी।

देश के प्रमुख हवाई अड्डों पर पहले से ही मनी एक्सचेंज काउंटर हैं। भोपाल से दुबई जाने वाले यात्री दिल्ली, मुंबई या हैदराबाद से होकर

होकर जाते हैं। ऐसे यात्री अब राजा भोज एयरपोर्ट पर ही भारतीय रुपए के बदले विदेशी मुद्रा प्राप्त कर सकेंगे। यात्रियों का समय बचेगा। मुद्रा विनिमय सरकार द्वारा तय दर पर ही हो सकेगा।

अक्टूबर माह से शुरू हो रहे विंटर शेड्यूल में भोपाल से दुबई उड़ान के साथ पहली इंटरनेशनल उड़ान प्रारंभ होने की संभावना है। यह उड़ान प्रारंभ होने के साथ ही भोपाल एयरपोर्ट विधिवत इंटरनेशनल एयरपोर्ट हो जाएगा। फिलहाल हमारे एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एवं कस्टम दर्जा तो प्राप्त है लेकिन एक भी अंतरराष्ट्रीय उड़ान नहीं है।

पार्किंग के अभाव में नहीं हो पा रही एक दर्जन दुकानों की नीलामी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। नगर निगम ने संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) में विभिन्न स्थानों पर दुकानों एवं शॉपिंग कॉम्पलेक्स का निर्माण तो कर लिया है, लेकिन इनकी देखरेख नहीं की जा रही है। इसी का नतीजा है कि बैरागढ़ में जोन कार्यालय सह शॉपिंग कॉम्पलेक्स रखरखाव के अभाव में दम तोड़ रहा है। यहां पार्किंग की जगह नहीं है।अपनी आय बढ़ाने के लिए नगर निगम ने जोन एरिया में कई दुकानों का निर्माण कराया है, इससे निगम को राजस्व के रूप में काफी धन राशि मिल रही है। लेकिन जहां बरसों पहले दुकानों का निर्माण हो चुका है, उनका समुचित रखरखाव नहीं किया जा रहा है। नेहरू पार्क परिसर स्थित नगर निगम कॉम्पलेक्स का बड़ा हिस्सा जर्जर हो गया है। रखरखाव नहीं होने के कारण ही यहां कई दुकानें खाली पड़ी हैं। पार्किंग की जगह नहीं होने के कारण कॉम्पलेक्स बनने के 32 साल बाद भी करीब एक दर्जन दुकानों की नीलामी नहीं हो पा रही है।

सब्जी मंडी की दुकानें बंद होने लगीं

संत कंवरराम सब्जी मंडी को ध्वस्त कर नगर निगम ने यहां शॉपिंग काम्पलेक्स एवं मल्टी पार्किंग का निर्माण कर दिया। इसके निर्माण से निगम को 16 करोड़ रुपये की आय हुई। सब्जी व्यापारियों को उम्मीद थी कि उनकी बसाहट के बाद नगर निगम दुकानों और पूरे इलाके की देखरेख करेगा, लेकिन निगम ने व्यापारियों को बेसुध छोड़ दिया। सब्जी मंडी में 30 दुकाने हैं। रखरखाव नहीं होने से दुकानें बंद हो रही हैं। नगर निगम ने मंडी में भी पार्किंग की जगह विकसित नहीं की। मंडी का मार्ग वनवे करने के प्रस्ताव पर अमल नहीं हुआ। इस कारण मंडी सुनसान होती जा रही है। सब्जी मंडी व्यापारी संघ कई बार मंडी को विकसित करने की मांग कर चुका है। महापौर परिषद के सदस्य राजेश हिंगोरानी का कहना है कि मंडी के विकास के प्रयास किए जा रहे हैं।

बोर्ड परीक्षा का केंद्र बनाने में लेंगे सांसद-विधायकों की राय

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मप्र बोर्ड 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा 25 फरवरी से शुरू होगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिम) ने समय-सारिणी और केंद्र निर्धारण को लेकर गाइडलाइन जारी कर दी है। इसमें निर्देशित किया गया है कि इस बार परीक्षा केंद्र के निर्धारण से पहले जिला प्रशासन के साथ-साथ सांसद व विधायकों की राय भी ली जाएगी। साथ ही 250 कम क्षमता वाले स्कूल को परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाएगा। इसके अलावा लगातार तीन साल बने परीक्षा केंद्र के दौरान सामूहिक नकल के प्रकरण सामने आए, तो उस स्कूलों को केंद्र नहीं बनाया जाएगा। साथ ही परीक्षा केंद्र बनाने के लिए तय सीमा भी तय कर दी गई है। निर्देश दिए गए हैं कि जिन स्कूलों में विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, उनके नजदीकी स्कूलों को ही परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा।

शहरी क्षेत्रों में पांच किमी से ज्यादा व ग्रामीण क्षेत्रों में 10 किमी से ज्यादा दूरी नहीं होना चाहिए। विषम परिस्थितियों में ज्यादा दूरी के परीक्षा केंद्र बनाने पर कारण भी बताना होगा। जिले को 30 सितंबर तक परीक्षा केंद्र की सूची माशिम को भेजनी है। बता दें, कि मप्र बोर्ड 10वीं व 12वीं की परीक्षा में करीब 18 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे।इसके लिए करीब पौने चार हजार परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे।

30 नवंबर तक अंतिम सूची जारी करेगा

माशिमं 30 नवंबर तक परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची जारी करेगा। माशिमं के परीक्षा केंद्रों के जिला स्तर पर निर्धारण के बाद जिला योजना समिति से अनुमोदन करवाया जाएगा। इसके लिए 30 अगस्त तक की तारीख तय की गई है।माशिमं की जारी समय-सीमा के अनुसार 10 अगस्त तक परीक्षा केंद्रों का भौतिक सत्यापन करना होगा। परीक्षा केंद्रों का समिति द्वारा चयन 20 अगस्त तक करना है। चयन परीक्षा केंद्रों का प्रकाशन कर दावे-आपत्ति प्राप्त करने की समय-सीमा 30 अगस्त तक रहेगी। दावे एवं आपत्ति का निराकरण जिला योजना समिति से अनुमोदन प्राप्त करने की तिथि 24 सितंबर तक रहेगी। मंडल को अनुमोदित केंद्र चार्ट की सूची 30 सितंबर तक रहेगा।

केंद्र नहीं होने पर फोटोकापी मशीन लौटानी होगी

अगर किसी स्कूल के खिलाफ अनिमितता के मामले सामने आए है, तो ऐसे स्कूल को परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाएगा। पिछले साल के बने केंद्रों को वर्ष 2025 की परीक्षा में प्रस्तावित नहीं किया जाता है, तो उसका भी कारण बताना होगा।

अलग-अलग आदिवासी कार्यक्रमों में शामिल हुए कांग्रेस के सभी बड़े नेता

आदिवासी दिवस पर अवकाश घोषित करने को लेकर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

सिटी चीफ भोपाल।

विश्व आदिवासी दिवस पर मध्य प्रदेश कांग्रेस पार्टी ने बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने विश्व आदिवासी दिवस पर एक दिन की छुट्टी घोषित करने की मांग पूरी नहीं होने पर बीजेपी सरकार को आदिवासी विरोधी बताया है।

कांग्रेस के सभी बड़े नेता अलग-अलग आदिवासी कार्यक्रमों में शामिल हुए।

जीतू पटवारी ने कहा कि, 9 अगस्त को कांग्रेस पार्टी की कमलनाथ सरकार ने एक दिन का अवकाश घोषित किया था, लेकिन बीजेपी सरकार ने उसकी अवहेलना की है। इसके साथ ही इस दिन को किस तरह का सम्मान देना चाहिए उसकी प्रक्रिया भी भूल गई है। यह सरकार बीजेपी की नहीं है यह सरकार जनता की भी नहीं है। उन्होंने कहा यह सरकार मोहन यादव की भी नहीं है यह सरकार माफियाओं की सरकार है। जिसमें संवेदनाओं भावनाओं से इनका कोई लेना-देना नहीं है इनका काम सिर्फ यही है कि कैसे करप्शन करें, कर्ज ले और क्राइम को बल दें। यही इस सरकार की पहचान है।

आदिवासी वर्ग के लिए समर्पित है विश्व आदिवासी दिवस

विश्व-आदिवासी-दिवस पर मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार आदिवासियों के बीच गंधवानी पहुंचे जहां उन्होंने विश्व आदिवासी दिवस पर उन्हें संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन संघर्षशील आदिवासियों को समर्पित है। उन्होंने कहा कि मैं पूरे आदिवासी समाज के हक और अधिकारों के लिए अपनी तरफ से जितना ज्यादा संभव होता है, कोशिश करता हूं और हमेशा करता रहूंगा। सिंघार ने कहा कि नई पीढ़ी के आदिवासी युवकों को शिक्षा और रोजगार दिलाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है और हमारी कोशिश है कि हम उन्हें ये दिलाकर रहेगे। गंधवानी में आयोजित जनसभा में विश्व आदिवासी दिवस के विशेष अवसर पर विधायक सचिन यादव, विधायक भंवर सिंह शेखावत, महेश पटेल प्राचीलाल मेड़ा, मुकेश पटेल, पूर्व विधायक पांचिलाल मेड़ा, राधेश्याम मुवेल एवं वरिष्ठ कांग्रेस आदिवासी वर्ग के आमजन उपस्थित थे।

आदिवासी समाज के साथ अन्याय

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि जब मध्यप्रदेश में कमलनाथ एक की सरकार थी तो 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर मध्य प्रदेश में छुट्टी रखी गई थी।

आज कमलनाथ ने भी कहा है यह आदिवासी समाज के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा आज अवकाश की मांग हमारे द्वारा की गई है। हमने अलग-अलग प्रदेश जगहों पर जाकर कार्यक्रम किए थे। लेकिन बीजेपी आदिवासी विरोधी है यह आदिवासी समाज के साथ अन्याय है।

सम्पादकीय

ब्रिटेन में उग्र दक्षिणपंथियों की हिंसा से सख्ती से निपटने की जरूरत

हाल की हिंसक घटनाओं ने नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री स्टार्मर की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालांकि, उन्होंने प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने के आदेश भी दिए हैं। बकायदा इस संकट को लेकर सोमवार को प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर सुरक्षा अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक भी बुलाई गई। निश्चित रूप से दक्षिणपंथियों की हिंसा से सख्ती से निपटने की जरूरत है।

ब्रिटेन में दक्षिणपंथी हिंसा की लहर के बीच आप्रवासियों व मुस्लिमों को निशाना बनाया जाना बेहद चिंता का विषय है। सोशल मीडिया के जरिये भ्रामक प्रचार से समूह विशेष पर हमले ब्रिटिश समाज में विकट होती स्थिति को दशार्ता है। दरअसल, गत 29 जुलाई को साउथपोर्ट में टेलर स्विफ्ट की थीम डांस पार्टी में तीन बच्चियों की नृशंस हत्या के बाद ब्रिटेन के कई शहरों में दंगे भड़क उठे। इस घटना में दो वयस्कों के साथ कई अन्य बच्चे भी घायल हुए थे। इसके बाद पूरे ब्रिटेन में दक्षिणपंथी आंदोलनकारियों ने इस घटना का इस्तेमाल नफरत को बढ़ावा देने और अराजकता भड़काने में किया। कालांतर में हिंसा महज विरोध प्रदर्शनों तक ही सीमित नहीं रही। दुकानें लूट ली गईं, कारों को आग लगा दी गईं, मस्जिदों और एशियाई स्वामित्व वाले व्यवसायों को निशाना बनाया गया। यह चिंताजनक स्थिति ब्रिटिश समाज में पैर पसारती मानसिक रुग्णता को ही दशार्ती है। दरअसल, ब्रिटिश समाज में आप्रवासियों के प्रति धुर दक्षिणपंथियों की कटुता छिटपुट घटनाओं की प्रतिक्रिया के रूप में ही नजर नहीं आती, बल्कि ये घटनाक्रम ब्रिटिश समाज में व्यापक सामाजिक चिंताओं और राजनीतिक विफलताओं का भी परिचायक है। दरअसल, कई दक्षिणपंथी राजनेताओं ने आप्रवासन और सांस्कृतिक एकीकरण के बारे में गलत धारणाओं को बढ़ावा दिया। उन्होंने अपने विभाजनकारी एजेंडे के लिये समर्थन जुटाने के लिये खतरनाक ढंग से गलत सूचनाएं फैलायीं। कहा गया कि हमलावर एक आप्रवासी मुस्लिम था। हालांकि प्रधानमंत्री स्टार्मर ने दंगों को सुनियोजित साजिश बताते हुए घटनाओं की निंदा की है, लेकिन अभी ब्रिटिश समाज में सामाजिक समरसता बनाये रखने के लिए बहुत कुछ किया जाना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर एक सप्ताह में हिंसक गतिविधियों में शामिल करीब चार सौ से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया। दंगइयों के हौसले इतने बुलंद थे कि वे पुलिस से संघर्ष करते नजर आ रहे थे। साथ ही सार्वजनिक संपत्ति और आप्रवासियों की संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे थे। दरअसल, हाल के दिनों में देखने में आया है कि कई देशों में हिंसक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये ऑनलाइन सूचनाओं को गलत ढंग से प्रसारित व प्रचारित किया गया। वास्तव में भ्रामक सूचनाओं के तंत्र पर अंकुश लगाने के लिये ठोस प्रयास किये जाने की जरूरत है। देखने में आया है कि सुनियोजित ढंग से प्रचारित सूचनाएं लोगों को कट्टरपंथी बनाने और हिंसा को भड़काने के लिये प्रयोग की जाती हैं। सोशल मीडिया को एक हथियार की तरह से इस्तेमाल किया जा रहा है। दरअसल, ब्रिटिश सरकार को अंतर्निहित उन सामाजिक व आर्थिक मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है जिसके जरिये दक्षिणपंथी स्थानीय लोगों का भावनात्मक दोहन करते हैं। मसलन बेरोजगारी और अपर्याप्त सामाजिक सेवाओं की समस्या को दूर करना चाहिए, जिसके बहाने आप्रवासियों के प्रति नफरत फैलाने का काम किया जाता है। निश्चित रूप से ऐसे भय के माहौल में सहिष्णुता और एकता के मूल्यों को बनाये रखने की सख्त जरूरत है। भविष्य में प्रवासियों के खिलाफ ऐसी हिंसा दोबारा न पनपे ब्रिटिश सरकार को अपने सभी नागरिकों की सुरक्षा और समावेशन को सुनिश्चित करना चाहिए। अब चाहे वे किसी भी देश से आए हों। मीडिया और राजनीतिक नेताओं से जिम्मेदार व्यवहार की उम्मीद की जानी चाहिए। उन्हें नफरत फैलाने वाली भड़काऊ बयानबाजी से बचना चाहिए। ब्रिटेन में डेढ़ दशक बाद व्यापक रूप से पनपे दंगों की पुनरावृत्ति रोकने के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। दरअसल, इस दौरान दक्षिणपंथियों के हौसले इतने बुलंद थे कि उन्होंने पुलिस को भी निशाना बनाने से परहेज नहीं किया। इस घटनाक्रम के चलते प्रदर्शनकारी तथा आप्रवासियों के समर्थक कई बार आमने-सामने नजर आए। एक पक्ष कह रहा था कि ब्रिटेन को बाहरी लोगों से मुक्त कराया जाए तो दूसरी तरफ आप्रवासियों का समर्थन करने वाले नारे लगा रहे थे कि यहां शरणार्थियों का स्वागत है। बहरहाल, हाल की हिंसक घटनाओं ने नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री स्टार्मर की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालांकि, उन्होंने प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने के आदेश भी दिए हैं। बकायदा इस संकट को लेकर सोमवार को प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर सुरक्षा अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक भी बुलाई गई। निश्चित रूप से दक्षिणपंथियों की हिंसा से सख्ती से निपटने की जरूरत है।

रचनात्मक प्रवाह में मस्तिष्क पर बहुत जोर नहीं देना पड़ता, ध्यान काम पर होता है

कभी आपके साथ ऐसा हुआ कि आपने कोई संगीत सुना और उसमें डूब गए, या कुछ लिखने बैठे, तो मन इतना शांत रहा कि हर शब्द के पीछे रचनात्मक ऊर्जा महसूस होने लगी हो, या आप कोई फिल्म देख रहे हैं, और उसमें इतना खो गए कि कुछ समय तक दुनिया को ही भूल गए? कोई थकावट नहीं हुई। इसके उलट कई बार ऐसा होता है कि लिखने बैठते हैं, तो पूरा समय चला जाता है, फिर भी हम सटीक ढंग से उस बात को नहीं लिख पाते, जो हम लिखना चाहते हैं। लेकिन जब हम सही मनोदशा में होते हैं, तो लगभग बिना कलम रोके लिखते चले जाते हैं। यही रचनात्मक प्रवाह होता है। लेकिन क्या आपने सोचा है कि इस दौरान हमारे दिमाग में कौन-सी रासायनिक क्रियाएं चल रही होती हैं?फिलाडेल्फिया में ड्रेक्सेल विश्वविद्यालय में मनोवैज्ञानिक और मस्तिष्क विज्ञान के प्रोफेसर का कहना है कि रचनात्मक प्रवाह में हमें मस्तिष्क पर बहुत जोर नहीं देना पड़ता है। पूरा ध्यान काम पर होता है। यह आनंददायक होता है और कोई विचलन नहीं होती। हम बागवानी करते, खाना बनाते, बातचीत करते, संगीत सुनते, या लिखते समय इसका अनुभव कर सकते हैं। जब हमारे मस्तिष्क में रचनात्मक प्रवाह होता है, तो सारी समस्याओं का समाधान तुरंत होता है। आमतौर पर जब हम रचनात्मक प्रवाह में होते हैं, तो समय कब और कितनी जल्दी बीत जाता है, हमें पता ही नहीं चलता। मनोवैज्ञानिक रचनात्मक प्रवाह के बारे में 50 साल से भी अधिक समय से शोध कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत मनोवैज्ञानिक मिहाली सिक्सजेंटमिहाली ने की थी। वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क के बाएं और दाएं, दोनों हिस्सों द्वारा किए जाने वाले विशिष्ट कार्यों की पहचान की है। 1990 के दशक में न्यूरो-साइकोलॉजिस्ट एल्खोनन गोल्डबर्ग ने बताया कि मस्तिष्क के दो गोलार्ध अनुभूति और रचनात्मकता में अलग-अलग भूमिका निभाते हैं। इसलिए जब आप कुछ नया सीख रहे होते हैं, तो दायां गोलार्ध इसमें शामिल होता है। जब आप इसमें अभ्यस्त हो जाते हैं, तो यह कौशल बाएं गोलार्ध में स्थानांतरित हो जाता है। बायां गोलार्ध ही हमें सुनने-समझने में मदद करता है। जब हम किसी युवा संगीतकार की धुन में किसी कमी की ओर इशारा करते हैं, तो वह नई धुन पर मेहनत करता है और ज्यादा रचनात्मक ऊर्जा के साथ आता है। पर पुराने संगीतकार झल्लाने लगेंगे और कहेंगे कि उनकी हर धुन में रचनात्मकता है।

वैज्ञानिक चेतावनियों की अनदेखी भी प्राकृतिक आपदा के संकट का एक कारण

हर बार वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों के सुझावों और चेतावनियों की अनदेखी को जिम्मेदार माना जा सकता है। आज धंसते हुए, जोशीमठ की भविष्यवाणी 1975 में मिश्रा कमेटी ने कर दी थी। लगता है कि हमारे नीति नियंताओं और शासकों ने वैज्ञानिक चेतावनियों की अनदेखी करने की कसम खा रखी है।

भारत के हालिया इतिहास की सबसे भयंकर मानसूनी आपदाओं में से एक सन् 2013 की केदारनाथ आपदा के घाव अभी भरे भी नहीं और 31 जुलाई 2024 को लगभग वैसे ही हालात बादल फटने, भूस्खलन और त्वरित बाढ़ ने पैदा कर दिए। केदारधाम और घाटी में फंसे 15 हजार से अधिक तीर्थ यात्रियों को सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ,डीडीआरएफ, और वायएमएफ सहित थल और वायुसेना के साझा बचाव अभियान के तहत सुरक्षित निकाला जा सका। तीन यात्रियों के शव भी मलबे में बरामद हुए हैं। इन हालात को देखते हुए सवाल उठना स्वाभाविक ही है कि हमने 2013 की केदारनाथ आपदा से क्या और कितना सीखा? यही सवाल हाल की वायनाड भूस्खलन त्रासदी से उठ रहा है और इसी तरह के मिलते-जुलते सवाल देश में अन्यत्र मुंह बाए खड़े हैं। विशेषज्ञों की चेतावनियों के अनुसार आपदाओं की क्षेत्र विशेष में पुनरावृति हो रही हैं और योजनाकार तथा नीति नियंता अपनी ही धुन में मशगूल हैं।

आबादी की जरूरतों को पूरा करने और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए विकास की अत्यन्त आवश्यकता है और हर सरकार अपने नागरिकों के लिए यही प्रयास करती भी है। लेकिन इसका यह मतलब कतई नहीं कि हम प्रकृति के साथ इतनी छेड़छाड़ कर दें कि अपने ही नागरिकों को जान के लाले पड़ जाएं। जैसे कि अभी केदार घाटी में हो रहा है और फरवरी 2021 में उच्च हिमालयी क्षेत्र नीति घाटी में धौलीगंगा और ऋषि गंगा की बाढ़ में हो गया।

इन आपदाओं के लिए हर बार वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों के सुझावों और चेतावनियों की अनदेखी को जिम्मेदार माना जा सकता है। आज धंसते हुए, जोशीमठ की भविष्यवाणी 1975 में मिश्रा कमेटी ने कर दी थी। लगता है कि हमारे नीति नियंताओं और शासकों ने वैज्ञानिक चेतावनियों की अनदेखी करने की कसम खा रखी है। भारतीय अन्तरिक्ष संगठन (इसरो) ने 2023 में देश के भूस्खलन संवेदनशील 147 जिलों का जोखिम मानचित्र तैयार किया था जिसमें सबसे ऊपर रुद्रप्रयाग जिले को रखा था जहां 31 जुलाइ को आयी आपदा के कारण इन दिनों हजारों तीर्थ यात्रियों की जानें संकट में फंसी रही या अब भी फंसी हैं।

दूसरे नम्बर पर उत्तराखण्ड का ही टिहरी जिला अत्यंत जोखिम की श्रेणी में रखा गया था जहां गत 26 एवं 27 जुलाई की रात को भूस्खलन से तिनगढ़ गांव तबाह हो गया और मां-बेटी जिन्दा दफन हो गये। इसरो के जोखिम मानचित्र पर पश्चिमी घाट पर्वत श्रेणी से लगे केरल के वायनाड सहित सारे 14 जिले शामिल किये गये थे। वहां गाडगिल कमेटी के बाद कस्तूरीरंगन कमेटी ने खतरे की घंटी बजा दी थी जो कि सरकारों के कानों में नहीं गूंजी। केदार घाटी की संवेदनशीलता इसरो के जोखिम मानचित्र के आईने में तो नजर आ ही रही है। लेकिन भारतीय भूगर्व सर्वेक्षण विभाग, उत्तराखण्ड अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र तथा गढ़वाल विश्व विद्यालय के भूवैज्ञानिकों ने केदार घाटी जो कि सबसे संवेदनशील है और जो एमसीटी के दायरे में आती है, तथा केदारनाथ धाम जो स्वयं एक मलबे के पर स्थित है, वहां भारी निर्माण की सख्त मनाही कर रखी है। लेकिन वहां फिर भी सौंदर्यीकरण और सुरक्षा के नाम पर बहुत भारी निर्माण कर दिया गया जो कि अब भी जारी है। यही नहीं सन् 2013 में चोराबाड़ी ग्लेशियर पर बादल फटने और ग्लेशियल झील के टूटने के कारणों भयंकर अनदेखी की गई।

दरअसल, हमारे योजनाकार ही नहीं बल्कि आपदा प्रबंधक भी जलतंत्र की अनदेखी करने की भयंकर भूल कर रहे हैं। हिमालय पर ऊपर चढ़ते समय वर्षा कम होती जाती है और स्थाई हिमाच्छादित क्षेत्र में बादल बारिस की जगह वर्फ बरसाते हैं। लेकिन 2013 में ऐसा नहीं हुआ जो कि जलवायु परिवर्तन का स्पष्ट संकेत था। केदार घाटी बहुत तंग है और उसके अंत में 3,583 मीटर ऊंचा केदार पर्वत या केदार डोम है जिसे अलकनन्दा घाटी की ओर से चले बादल पार नहीं कर पाते हैं और वहीं बरस जाते हैं। तंग घाटी होने के कारण बादलों का वेग भी बहुत अधिक होता है जो कि अचानक पहाड़ से टकराकर बादल फटने की जैसी स्थितियां पैदा हो जाती है, इसलिए इस घाटी में निरन्तर बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं होती रहती है।

एक स्वेच्छिक संगठन की याचिका पर सुप्रीमकोर्ट ने 2018 में केदारनाथ की बेहद सीमित धारण क्षमता को अनुभव करते हुए वहां प्रतिदिन 5000 से कम यात्रियों को जाने की सीमा तय की थी। लेकिन यात्रियों के भारी दबाव को देखते हुए राज्य सरकार ने 2022 में बदरीनाथ के लिए 16 हजार, केदारनाथ के लिए 13 हजार, गंगोत्री के लिए 8 हजार और यमुनोत्री के लिए 5 हजार तय की। सरकार पर यात्रियों से ज्यादा हितधारकों और राजनीतिक दबावों के चलते इस साल सीमा को बढ़ाकर बदरीनाथ के लिए प्रतिदिन 20 हजार, केदारनाथ 18 हजार, गंगोत्री 11 हजार और यमुनोत्री के लिए 9 हजार यात्री कर दिया गया। इससे भी दबाव कम नहीं हुआ तो सरकार ने जून में सारी सीमाएं हटा दीं। उसका नतीजा यह हुआ कि 4 अगस्त 2024 तक केदारनाथ जाने वाले यात्रियों की संख्या 10,91,316 तक और बदरीनाथ जाने वालों की संख्या 8,88,494 तक पहुंच गई, गौर करने वाली बात यह है कि पहले सदैव बदरीनाथ जाने वाले यात्रियों की संख्या केदारनाथ से बहुत अधिक रहती थी। बदरीनाथ के लिए सीधे वाहनों से जाया जाता है जबकि केदारनाथ के लिए लगभग 21 किमी की कठिन पैदल यात्रा भी है। लेकिन अब केदारनाथ में बदरीनाथ से अधिक भीड़ जा रही है।

उत्तराखण्ड राज्य गठन से पूर्व पूरे सीजन में केदारनाथ के यात्रियों की संख्या औसतन 1 लाख तक और बदरीनाथ जाने वालों की संख्या 9 लाख तक होती थी। पिछले साल केदारनाथ में 19,61,277 तक तीर्थ यात्री पहुंच चुके थे। दरअसल, 2013 की आपदा को अवसर में बदलने की रणनीति का ही नतीजा यात्रियों का यह सैलाब है जो कि केदारनाथ की धारण क्षमता से अत्यधिक अधिक होने से आपदा का एक कारण बन रहा है। यही नहीं बहुत संवेदनशील पारितंत्र वाले इन धामों में वाहनों की बाढ़ झौंकी जा रही है। केदारनाथ की जड़ में इस साल 4 अगस्त तक 1,69,575 और सीधे बदरीनाथ तक 1,01,002 वाहन पहुंच चुके थे। यही नहीं अति संवेदनशील गोमुख तक भी इस साल अब तक 6,309 यात्री पहुंच गए जिनमें ज्यादातर कांवड़िए ही थे। प्रकृति के साथ अगर ऐसी ज्यातियां होती रहेंगी तो मानवीय संकट का टाला नहीं जा सकेगा।

खतरों के बावजूद साहस दिखा रहे लोग, वर्तमान में चीन जैसी सख्ती की मिसाल नहीं

जॉर्ज ऑरवेल के उपन्यास '1984' की प्रसिद्ध पंक्तियों में से एक है- जो अतीत को नियंत्रित करता है, वह भविष्य को भी नियंत्रित कर सकता है। जो वर्तमान को नियंत्रित करता है, वह अतीत को भी नियंत्रित कर सकता है। इस कथन को कहते हुए ऑरवेल के मन में स्टालिन का रूस था, लेकिन उनका यह कथन सभी अधिनायकवादी शासकों पर कमोबेश सच है, जहां सत्तारूढ़ दल और नेता इतिहास का अपना संस्करण जनता पर थोपना चाहते हैं। लेकिन अपेक्षाकृत खुले समाज में इतिहास का कोई भी एक संस्करण समग्र रूप से नागरिकों पर नहीं थोपा जा सकता। उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका में जब रिपब्लिकन सत्ता में होते हैं तो वे नस्ल संबंध कैसे थे या होने चाहिए, इस पर अपना दृष्टिकोण थोपने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन उनके इन विचारों का उन लोगों द्वारा अक्सर विरोध होता है, जो इस घटना को अलग तरीके से देखते हैं।

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में भी अतीत पर राज्य प्रायोजित दृष्टिकोण गहन बहस के विषय हैं। उदाहरण के लिए, मोदी सरकार ने अपने सभी मौजूदा संसाधनों के साथ हिंदू-मुस्लिम संबंधों की एक खास तस्वीर पेश करने की कोशिश की है। इस कोशिश में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के योगदान को कम करने की कोशिश भी शामिल है। फिर भी ऐसी वेबसाइट्स, प्रकाशन संस्थान, यूट्यूब चैनल और अखबार, जो बिना शासनादेश के चलते हैं और जहां लोग इन विषयों को अलग तरीके से समझते हैं, सार्वजनिक रूप से अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं। ऐसी स्वतंत्र आवाजों के दमन के लिए ही मोदी सरकार एक नया 'ब्रॉडकास्टिंग बिल' लाने की तैयारी में है। वर्तमान समय में किसी भी संगठन ने इस विचार कि 'लोग कैसे सोचते हैं या क्या सोचते हैं' पर इतनी सख्ती से नियंत्रण करने की कोशिश नहीं की है, जितनी कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) ने। अपने देश के अतीत, वर्तमान और भविष्य की प्रस्तुति में सीपीसी ने चार मुख्य प्रस्तावों की रूपरेखा के दायरे में काम किया है-

पहला, पार्टी और नेता हमेशा सही होते हैं।

दूसरा, पार्टी के कैडर, पदाधिकारी और महान नेता, चीन को उन्नति की राह पर ले जाने के साथ उसे मजबूत तथा समृद्ध बनाने के लिए हर मौसम में दिन-रात मेहनत करते हैं।

तीसरा, जो सार्वजनिक या निजी तौर पर पार्टी की नीतियों या उसकी प्रथाओं की आलोचना करते हैं, वे देश के दुश्मन हैं और विदेशी ताकतों के इशारों पर काम करते हैं।

चौथा, यदि पार्टी इस तरह की आलोचनाओं से सख्ती से नहीं निपटती है तो चीन 1949 के पहले वाले अंधकार युग में लौट जाएगा, जब इसे विभाजन, विवाद और गृह युद्ध एवं पश्चिमी शक्तियों ने पंगु बना दिया था।

अगर पार्टी के दृष्टिकोण से देखा जाए तो चीन में अधिक असहमति है। 1949 के बाद भी सरकार के खिलाफ बोलने या लिखने पर नौकरी से हाथ धोने, गिरफ्तार होने, प्रताड़ना झेलने या मारे जाने तक का खतरा बना रहता था। फिर भी जैसा कि एक हालिया पुस्तक दर्शाती है, कुछ लोग अब भी साथी नागरिकों को आधुनिक चीनी इतिहास और विशेष रूप से कम्युनिस्ट पार्टी के इतिहास की सच्चाई पेश करने के लिए इन जोखिमों को उठाने का साहस करते हैं।

हाल में आई किताब का नाम है- 'स्पार्क्स = चाइनाज अंडरग्राउंड हिस्टोरियन्स एंड देयर बैटल फॉर द फ्यूचर'। किताब के लेखक हैं इयान जॉनसन, जिन्होंने सरकार द्वारा निष्कासित किए जाने से पहले कई सालों तक चीन में रिपोर्टिंग की है। अपनी किताब में जॉनसन पाठकों को चीन के परिदृश्य, शहरी और ग्रामीण सभ्यता-संस्कृति के साथ उसके समृद्ध कला-साहित्य और दर्शन के बारे में भी जानकारी देते हैं। जॉनसन 1949 से 1976 तक सत्ता में रहे माओत्से तुंग द्वारा अपने लोगों पर की जाने वाली निर्दयता के बारे में भी बेबाकी से लिखते हैं। माओ को दुश्मनों की जरूरत थी और वे उन्हें हर जगह मिल जाते थे, खेतों में, कारखानों में, शहर और देश में, यहां तक कि कम्युनिस्ट पार्टी के अंदर भी। लाखों मेहनतकश चीनी नागरिक, जिन्होंने कभी कोई अपराध नहीं किया, उन्हें भी माओ के गुंडों ने दुश्मन के रूप में नामित किया। अगर वे भाग्यशाली होते थे तो उन्हें सिर्फ अपने घरों से बेदखल किया जाता था या किसी छोटे-मोटे काम पर लगा दिया जाता था। ऐसा नहीं होने पर या तो जेल में डाल दिया जाता था या मार दिया जाता था।

माओ सनक और जानलेवा इरादों का एक अनोखा मिश्रण था। 1956 में उसने 'सौ फूल खिलें' कहकर लोगों से मन की बात कहने का आह्वान किया। जब लोगों ने उनकी बात मान ली तो उसने अपना आह्वान वापस ले लिया और दक्षिण पंथ विरोध अभियान शुरू कर दिया, जिसमें लेखकों, शिक्षकों, छात्रों, वकीलों, प्रबंधकों और वैज्ञानिकों जैसे दूर की सोच रखने वालों का सफाया हो गया। जॉनसन लिखते हैं, इस प्रक्रिया में विश्वविद्यालय, उच्च विद्यालय, अनुसंधान संस्थान और सरकारी कार्यालय नष्ट हो गए। लाखों की संख्या में लोगों को मजदूरों के कैंप में भेज दिया गया। वे खुद को बचाने के लिए पार्टी के आदेशों का हूबहू पालन करने की कोशिश कर रहे थे। जॉनसन के अनुसार, भूमिगत हुए लेखकों में से कई उनके बच्चे या भाई-बहन थे, जिनको राज्य द्वारा या तो जेल में डाल दिया गया था या मार दिया गया था। ऐसे लोगों की पीड़ा चीन में कम्युनिस्ट शासन के काले पक्ष के बारे में जनता को सचेत करने के लिए प्रेरित करती है। जॉनसन जिन असंतुष्टों के बारे में लिखते हैं, उनमें से कई पहले खुले विचारों वाले थे। इंटरनेट के विकास की वजह से उन लोगों को लेखन और फिल्मों को प्रचारित करने का अवसर मिला। उनका समय बौद्धिक स्वतंत्रता का समय था। 2012 में शी जिनपिंग के सत्ता में आने के बाद इन स्वतंत्र इतिहासकारों का काम और कठिन हो गया। अपने कार्यकाल की शुरुआत में शी ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के इतिहास को बेहतरीन तरीके से पेश करने की बात कही। राज्य द्वारा नियुक्त इतिहासकारों के समूह को स्वतंत्रता का जश्न मनाने का आदेश दिया गया।

उन्हें इस बात का भी ध्यान रखने के लिए कहा गया कि युवा और बच्चे पार्टी और उनके नेताओं के बलिदान से अच्छी तरह वाकिफ हों। इसके अलावा सरकारी पत्रकारों से भी पार्टी के इतिहास को बिगाड़ने और बदनाम करने वाली प्रवृत्ति का विरोध करने को कहा गया। माओ के समय की तरह शी जिनपिंग के समय में भी कुछ लोगों ने विरोध में आवाज उठाना जारी रखा। जैसा कि जॉनसन लिखते हैं कि सच्चाई यह है कि स्वतंत्र विचार चीन में रहते हैं और इसे कुचला नहीं गया है। कुछ लेखक, पत्रकार, कलाकार और फिल्म निर्माता यह दिखाना जारी रखेंगे कि पार्टी हमेशा नहीं जीतती। इस पुस्तक में लोगों के बारे में पढ़ते हुए मैं उनके नैतिक और शारीरिक साहस से प्रभावित हुआ, लेकिन साथ ही उनकी बौद्धिक स्पष्टता से भी। एक महिला लेखिका जियांग जू कम्युनिस्ट चीन में इतिहास के बारे में यह कहती हैं कि हमें इतिहास को फिर से लिखना चाहिए। लेकिन इतिहास घटित हो चुका है। अगर यह एक उपन्यास है तो आप इसे फिर से लिख सकते हैं। लेकिन अगर यह इतिहास है तो आप इसे कैसे फिर से लिख सकते हैं? विवेक वाला कोई भी व्यक्ति फिर से लिखे गए इतिहास को अस्वीकार कर देगा।

किताब में एक अन्य पात्र झांग शिहे नामक एक पुरुष पत्रकार कहता है, मैं जैसा लिखता हूं, वैसा ही करता हूं, क्योंकि मैं उन लोगों में से एक हूं, जो यह सब देखकर क्रोधित हो जाता है और मुझे बोलना पड़ता है। किताब में ही तीसरे पात्र के रूप में शिक्षाविद चेन होंगू विडंबनापूर्ण ढंग से पूछते हुए दिखते हैं, क्या हमारे युग की यही राजनीति है, जहां पागल लोग अंधे को रास्ता दिखाते हैं? और अंत में फिर से जियांग जू है, जो एक ऐसे मित्र को जवाब दे रही है, जिसने उससे कहा था कि उसका काम व्यर्थ और अप्रासंगिक है और कम्युनिस्ट चीन जैसे कड़े नियंत्रण वाले तानाशाही में इसका कोई प्रभाव नहीं हो सकता- लेकिन मैं असहमत हूं। अगर आप कोशिश करते हैं तो यह मायने रखता है। मैं एक असामान्य समाज में एक सामान्य व्यक्ति बनना चाहती हूं। मैं सच्ची बातें कहने और दिल की बात व्यक्त करने में सक्षम होना चाहती हूं।

औल्याकन्हार में आज शिव मंदिर से निकलेगी कावड़ यात्रा

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, नगर मुख्यालय से लगभग दो किलोमीटर कि दूरी पर स्थित ग्राम औल्याकन्हार में पिछले वर्ष कि तरह इस वर्ष भी सावन माह के पवित्र महीने में कांवड़ यात्रा निकाली जायेगी,जिसको लेकर पंचायत भवन में 8 अगस्त को ग्रामीणों कि बैठक आहुत हुई जिसमें ओ पी बिसेन सरपंच प्रतिनिधि,धनेन्द्र पटले,महेंद्र चौहान, जितेन्द्र यादव,सागर ब्रम्हें,रोमेश हरिद्वाज उर्फ राजा भैया,मुकेश चौहान,उम्मेद चावले,उमा प्रसाद नागेश्वर, फूलचंद सोनवाने,राजेश बिसेन व भुमेश्वर कटरे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे जिसमें यह निर्णय लिया गया कि पिछले वर्ष कि तरह इस वर्ष भी 11अगस्त दिन रविवार को कांवड़ यात्रा निकाली जायेगी जिसमें महिला पुरुष व बच्चे उपस्थित रहेगे। प्रेस को जानकारी देते हुए ग्राम सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन ने बताया कि ग्रामीणों कि मांग पर पिछले वर्ष कि तरह इस वर्ष भी ग्राम में कांवड़ यात्रा निकलेगी इसके पहले सभी लोग शिव मंदिर में एकत्रित होंगे वहां पर पूजन-अर्चन किया जायेगा तथा सभी लोग कांवड़ यात्रा लेकर पोटिया पाट के लिए पैदल प्रस्थान करेंगे वहां से कांवड़ में जल भरकर लाया जायेगा जिसमें ग्रामीण विशेष भूषा में रहेंगे वहीं आगे जानकारी देते हुए कही कि भगवान शिव के भक्तों को सावन महीने का बहुत बेसब्री से इंतजार रहता है.इस पावन पवित्र महीने में कांवड़ यात्रा निकालकर शिवभक्त अपनी मनोकामना पुरी करते है एवं महादेव के भक्त समीपस्थ नदी (वैनगंगा) से जल भरकर लाते हैं और शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं। उसी तारतम्य मे औल्याकन्हार में स्थित शिव मंदिर से 11अगस्त को प्रात: 10बजे से कावड़ यात्रा निकालेगी जो पोटियापाट में स्थित भोले बाबा को जलाभिषेक कर वापस होगी।

कजंई पंचायत में स्वतंत्रता दिवस पर्व शानो-शौकत से मनाने हेतु हुई बैठक

हर घर तिरंगा लहरायेंगे, देश को मजबूत बनायेंगे : आनंद

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा। जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कजंई में 10 अगस्त दिन शनिवार को पंचायत भवन में स्वतंत्रता दिवस पर्व मनाने हेतु बैठक का आयोजन किया गया वहीं उक्त आयोजित बैठक ग्राम सरपंच अधि.आनंद बिसेन कि प्रमुख उपस्थिति में आयोजित हुई है जिसमें पंचायत सचिव ने बैठक के संबंध में विस्तृत रूप से अवगत कराया वहीं उक्त आयोजित बैठक में उपसरपंच प्रतिनिधि,समस्त पंचगण सभी शासकीय विभागों के कर्मचारी गण,शिक्षक शिक्षिकाओं इन सभी लोगों कि उपस्थिति में आगामी स्वतंत्रता दिवस पर्व को भव्य और गरिमा से मनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया है। तथा ग्राम विकास के विभिन्न प्रस्ताव विचार विमर्श कर पारित किए गए जिसमें प्राइवेट स्कूल के संचालक दिलीप चौधरी भी शामिल हुए तथा ग्राम सरपंच आनंद बिसेन के द्वारा जन समस्याओं का निवारण भी किया गया है। वहीं ग्राम सरपंच आनंद बिसेन ने तिरंगा लहराते हुए कहा कि हर घर तिरंगा लहरायेंगे भारत को मजबूत बनायेंगे। तत्पश्चात पंचायत प्रतिनिधियों व उपस्थितों के द्वारा पंचायत कार्यालय परिसर में भारतवर्ष का तिरंगा लहराकर राष्ट्रगान कर हर घर तिरंगा,घर घर तिरंगा अभियान का विधीवत शुभारंभ किया गया,यूनानी चिकित्सक डॉ मनोज जी के द्वारा औषधि कक्ष परिसर में विभिन्न प्रजातियों के औषधीय पौधे का रोपण कार्य सरपंच आनंद बिसेन व उपस्थितों के द्वारा एक एक पौधा लगाकर किया गया व ग्राम में श्री हनुमान जी मंदिर में सावन माह में आयोजित अखंड रामायण के कार्यक्रम में हवन पूजन में शामिल हुए और सभी को सावन मास की बधाइयां देकर अखंड रामायण कार्यक्रम के लिए आयोजन समिति को शुभकामनाएं प्रेषित की इस अवसर पर वरिष्ठ पूर्व उपसरपंच श्री कुसना जी तुरकर जी भी उपस्थित रहे हैं।

मोबाईल एवं टी.व्ही. बरामद

02 चोरियों का खुलासा, चोरी के 03 आरोपी गिरफ्तार

शहडोल, पुलिस अधीक्षक द्वारा कोतवाली अनुभाग के थाना प्रभारियो की समीक्षा बैठक ली गई थी बैठक में लंबित चोरी के प्रकरणो की समीक्षा की गई एवं चोरी के प्रकरणो का शीघ्र खुलासा कर चोरो की पतासाजी हेतु निर्देशित किया गया था जिसके तारतम्यय में थाना कोतवाली द्वारा 2 प्रकरण में चोरी का खुलासा किया गया। दिनांक 15.06.2024 को फरियादी श्रीमती रजनी शर्मा वार्ड नं. 23 सिंहपुर रोड, कट्ठी मोहल्ला, ने थाना कोतवाली, जिला शहडोल में रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 10-11.06.24 को दरमियानी रात्रि उनके पिता के घर के सामने रखी लोहे की सरिया 02 क्विंटल कीमती करीबन 15,000 रु. चोरी हो गई। सीसीटीवी फुटेज में मोहल्ले के संतमान और संतवीर रजक को चोरी करते हुए देखा गया है। रिपोर्ट के आधार पर अपराध क्रमांक 358/24 धारा 379, 34 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। चोरी के मामले में ही फरियादी सूरज सिंह चंदेल निवासी वार्ड नं. 13 राव कॉलोनी ने दिनांक 05.08.2024 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 26-27.07.24 की दरमियानी रात्रि में उनके किराये के घर में अज्ञात व्यक्तियों ने दरवाजा तोड़ कर घर से सैमसंग एलईडी टीवी और वनप्लस मोबाइल सभी सामान कुल कीमती 72,000 रु. की चोरी हो गए हैं। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 467/2024 धारा 331(4), 305 भा.द.वि. के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

ऐसे मिली सफलता...
गौरतलब होकि स्थानीय पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए चोरी के प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपियों की तलाश की गई एवं संदेहियों के संबंध में जानकारी इकट्ठा की गई। इसी दौरान अपराध क्र. 358/24 में सरिया चोरी के मामले में नामजद आरोपी संतमान उर्फ सूरज एवं संतवीर उर्फ छोटू के कल्याणपुर में केन्द्रीय विद्यालय के पास होने की मुखबिर सूचना मिली जिसपर कोतवाली पुलिस द्वारा तत्काल रवाना होकर 03 आरोपियों 1. संतमान उर्फ सूरज रजक, 2.संतवीर उर्फ छोटू रजक, एवं 3.संजय वर्मा (ढीमर) को पकड़ा गया, पूंछताछ करने पर तीनों आरोपियों के द्वारा घटना दिनांक की रात्रि को मकान के अंदर घुसकर मोबाइल एवं टी.व्ही. चोरी करना स्वाकार किया गया। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल एवं चोरी की गई मोबाइल, एवं टी.व्ही. बरामद कर ली गई है। तीनों आरोपियों को कोतवाली पुलिस द्वारा दिनांक 07-08-2024 को न्यायालय में पेश कर जेल निरुद्ध किया गया। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक राघवेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में उ.नि. उपेन्द्र त्रिपाठी, उनि राकेश बागरी, सउनि कन्हैया लाल, सउनि सुरेश कुमार, सउनि रामराज पाण्डेय, सउनि रजनीश तिवारी, प्र.आर. शिवकरण यादव, प्र.आर. मायाराम अहिरवार, आर. गिरीश मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शहडोल में भीषण सड़क हादसा, 02 की मौत 09 घायल, तीन की हालत गंभीर

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, जिले के दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हुई है तो वहीं 10 लोग घायल हुए हैं। जिसमें तीन की हालत गंभीर बनी है। गोहपारू में ट्रैक्टर ट्राली में सवार होकर मजदूर रोपा लगाने जा रहे थे तभी ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और ट्राली पलट गई, जिसके नीचे दबने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई है तो नौ लोग घायल हुए हैं इसमें तीन की हालत गंभीर बताई गई है। दुसरी घटना सिंहपुर थाना क्षेत्र में हुई यहां दो मोटरसाइकिल आमने-सामने भीड़ गई जिसमें तहसील सोहागपुर में पदस्थ एक कर्मचारी की मौत हो गई है, तो वहीं बाइक में सवार एक युवक घायल है। गोहपारू थाना क्षेत्र के पलसाऊ गांव में शनिवार की सुबह ट्रैक्टर में सवार होकर मजदूर रतहर गांव रोपा लगाने जा रहे थे तभी ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और ट्राली सड़क पर पलट गई, ट्रॉली में बैठे नरेंद्र पिता राम समर बैगा की मौके पर ही मौत हो गई है। तो वहीं 9 लोग इस घटना में घायल हुए हैं ,तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक ट्रैक्टर ट्राली में बैठकर तक़रीबन दस मजदूर पलसाऊ से रतहर गांव रोपा लगाने जा रहे थे, तभी रास्ते में सामने से आ रहे एक भारी वाहन को ट्रैक्टर चालक ने साइड देने के चक्कर में ट्रैक्टर को सड़क से नीचे उतार दिया, इस दौरान ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई, जिसके नीचे दबने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई है। तो वही नौ लोग घायल हुए हैं इनमें से तीन लोगों की हालत गंभीर बनी है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस की डायल हंड्रेड को मामले की जानकारी दी जानकारी लगने के बाद डायल 100 में तैनातआर नवी खाना एवम पायलट हीरा घटनास्थल पहुंचे और घायलों को डायल हंड्रेड एवं अन्य वाहनों से अस्पताल लाया गया, तीन की हालत नाजुक देख सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज तीन मजदूरों को रेफर कर दिया है। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार है पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

प्रशासनिक प्रतिक्रिया
ट्रैक्टर ट्राली में बैठकर दस मजदूर पलसाऊ से रतहर गांव रोपा लगाने जा रहे थे, सामने से आ रहे एक भारी वाहन को ट्रैक्टर चालक ने साइड देने के चक्कर में ट्रैक्टर को सड़क से नीचे उतार दिया, इस दौरान ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई, जिसके नीचे दबने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई है। तो वही नौ लोग घायल हुए हैं इनमें से तीन लोगों की हालत गंभीर बनी है।

विनय सिंह गहरवार थाना प्रभारी थाना गोहपारू, शहडोल
वही दूसरी घटना सिंहपुर थाना क्षेत्र के मठौरी डैम के समीप घटी है, दो मोटरसाइकिल आमने-सामने भीड़ गई इसमें सोहागपुर तहसील में कार्यरत कर्मचारी रामबाबू बैगा उम्र 35 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई तो वहीं दूसरी बाइक में सवार युवक गंभीर घायल हुआ है । घटना की जानकारी लगने के बाद पुलिस की मौके पर पहुंची और दुसरी बाइक में सवार घायल युवक को मेडिकल कॉलेज शहडोल में भर्ती कराया गया है ,तो वहीं तहसील कर्मचारियों की मौत के बाद उसके परिजनों को मामले की जानकारी दी गई है। और शव अस्पताल में लाया गया है पुलिस मर्ग कायम कर विवेचना कर रही है।

शहडोल के ब्यौहारी में अजगर का रेस्क्यू, सर्पमित्र ने जंगल में छोड़ा

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, शुक्रवार रात्रि लगभग 3:00 बजे ब्यौहारी के वार्ड नं. 11 में रहने वाले सुरेश गुप्ता द्वारा डायल 100 पर फोन करके बताया गया कि उनके घर में एक अजगर घुस गया है जिससे घर में रहने वाले सभी लोग भयभती हो रहे हैं। कॉलर ने तत्काल सहायता के लिए डायल-100 को कॉल कर मदद की मांग की। समय पर प्रतिक्रिया करते हुए, डायल-100 वाहन में तैनात पुलिसकर्मी रवीन्द्र शुक्ला एवं पायलट शेषमणी पाठक अपने साथ सर्पमित्र राज विश्वकर्मा को लेकर तत्काल मौके पर पहुँचे और अजगर का सफलतापूर्वक रेसक्यू किया। सर्पमित्र ने अजगर को सुरक्षित तरीके से पकड़ा और उसे जंगल में छोड़ दिया। जिसके बाद सुरेश गुप्ता एवं परिवार के सभी सदस्यों ने डायल-100 व ब्यौहारी पुलिस स्टाफ की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए धन्यवाद दिया।

अंधविश्वास बनी मौत का कारण सर्प दंश से पीड़ित बच्चे ने तोड़ा दम

घंटो कराते रहें झाड़ फूँक, ब्यौहारी थानांतर्गत का मामला

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, अंधविश्वास के चक्कर में 5 साल के बच्चे की मौत का मामला सामने आया है, पांच वर्षीय शिवेंद्र को घर में सोते वक्त जहरीले सर्प ने काट लिया, इसके बाद परिवार के लोग उसे गांव के गुनिया के पास लेकर पहुंचे और झाड़ फूंक करते हुऐ काफी समय बर्बाद कर दिया, जब बच्चा गंभीर हो गया तब उसे अस्पताल परिजन ले कर आए जब तक काफी देर हो चुकी थी।

क्या था पूरा मामला
ब्यौहारी थाना क्षेत्र के बराछ गांव में 5 साल के शिवेंद्र पिता अजय कोल को घर में सोते वक्त जहरीले सर्प ने काट लिया, इसके बाद परिजन उसे अस्पताल ले जाने की वजह गांव के गुनिया के पास ले जाकर झाड़ फूंक करने लगे ,लेकिन जैसे-जैसे बच्चे के शरीर में सांप का जहर फैल रहा था वैसे ही बच्चा गंभीर होता जा रहा था, लेकिन परिजनों को तो गुनिया के ऊपर पूरा भरोसा था कि वह उसके बालक को ठीक कर देगा, लेकिन जब तक परिजनों की आंखें खुली और यह समझ पाए कि गुनिया कुछ नहीं कर पाएगा तब काफी देर हो चुकी थी। जानकारी के अनुसार ब्यौहारी थाना क्षेत्र के बराछ गांव निवाशी शिवेंद्र पिता अजय कोल घर में सो रहा था तभी उसे जहरीले साप ने काट लिया, इसके बाद बच्चा रो रो कर अपनी मां को इसकी जानकारी दी, जानकारी के बाद माता पिता उसे अस्पताल ले जाने की वजह गांव के गुनिया के पास ले गए, बच्चे को साप ने सुबह 6 बजे काटा था और परिजन उसे सिविल अस्पताल ब्यौहारी शाम 4 बजे ले कर पहुंचे जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई है। थाना प्रभारी अरूण पांडे ने बताया की पांच साल के बच्चे को साप ने काट लिया था जिसकी मौत हुई है मामले पर मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

एक्सपर्ट की राय
शर्प दंश के बाद तत्काल पीड़ित को नजदीकी अस्पताल लाकर उसे एंटी स्नैक दिया जाना चाहिए। अगर समय से मरीज को उपचार नही मिला तो पीड़ित की मौत तक हो सकती है। झाड़ फूँक जैसे अंध विश्वास से लोगो को दूर रहना चाहिए।

डॉ सुनील हाथगेल, शिशु रोग विशेषज्ञ

शहडोल जिले में बेखौफ, बेधड़क दिनदहाड़े अवैध रेत उत्खनन

उफनती नदी से जान जोखिम में डाल चल रहा खेल

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, जिले में दो सरकारी मुलाजिमों की रेत माफियाओ ने ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या कर दी थी, जिसके बाद पुलिस व प्रशासन ने रेत माफियाओ पर कई बड़ी कार्रवाई की, लेकिन माफिया है कि रेत की चोरी और तस्करी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। अब तो दिन दहाडे बरसात में उफनती नदी से रेत चोरी करने का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें मजदूरों से ट्रैक्टर में रेत का उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा है। एक और जिले के कलेक्टर बाढ़ और जलभराव वाले इलाको में जाने से मन करने मुनादी करवा रहे है वही रेत माफ़िया अवैध खनन करने पर आमादा है मिली जानकारी के मुताबिक अदृश्य भण्डारण को यधावत बनाये रखने के लिए मजदूरों के जान तो जोखिम में डाली जा रही है वही सुनिश्चित भण्डारण वाले इलाको में बाकायदा स्थानीय ट्रेक्टरो से रेत की आपूर्ति की जा रही है इससे साफ हो जाता है की जिले में एनजीटी के आदेशों का खुला उल्लंघन किया जा रहा है जिसके लिए प्रशासन को गंभीरता से वियचर करना चाहिए वरना बीते दिनों की घटनाक्रम की पुनरावृत्ति से इंकार नहीं किया जा सकता।

हम आपको बता दे की वायरल वीडियो जिले के जयसिंहनगर का यह वीडियो बताया गया है जिसमें साफ-साफ दिखाई दे रहा कि नदी अपने उफान में है, और रेत माफियओ के द्वारा मजदूरों से नदी से रेत निकलकर ट्रैक्टर पर लोड कर परिवहन किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार हलफर नदी जो जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में आती है, वहां से प्रतिदिन एक दर्जन से अधिक ट्रैक्टरों में रेत निकालकर अवैध परिवहन किया जा रहा है, वहीं स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस व खनिज की मिली भगत से यह पूरा काला कारोबार चल रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए बताया की पुलिस को अवैध उत्खनन की जानकारी दी जाती है, लेकिन पुलिस के द्वारा कोई कारवाई नहीं की जाती। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है की दिन दहाड़े ट्रैक्टर नदी के किनारे खड़े होकर रेत लोड कर रहे हैं। और माफियाओं को कोई डर नहीं है। अवैध उत्खनन कर परिवहन का यह कार्य दिनदहाड़े चल रहा है लेकिन पुलिस व प्रशासन का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। या फिर कहा जाये तो जान बूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है।

बीते दिनों इसी जिले की दो अलग अलग घटनाओं में रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन रोकने गए पटवारी एवम एएसआई की माफियाओ ने ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या कर दी थी, जिसके बाद पुलिस एवं प्रशासन ने माफियाओं पर ताबड़ तोड़ कारवाई की लेकिन अब रेत माफियाओ को खुली छूट दे दी है। इसी वजह से दिनदहाड़े यह काला कारोबार चल रहा है।

प्रशासनिक प्रतिक्रिया- नदी में दो थानों की सीमा लगती है, जिसमें जयसिंहनगर के साथ गोहपारू थाना क्षेत्र आता है, हमारे क्षेत्र में जब-जब हमें शिकायत मिलती है हम कार्रवाई करते हैं । कई बार अवैध रेत से भरे ट्रैक्टरों को जप्त कर मामला दर्ज किया है।
सत्येंद्र चतुर्वेदी, थाना प्रभारी थाना जयसिंहनगर, शहडोल

कटनी पुलिस ने अंतर राज्य चोर गिरोह के तीन सदस्यों को किया गिरफ्तार

कई जिलों में दे चुके थे वारदात को अंजाम

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले की कोतवाली पुलिस ने अंतर राज्य चोर गिरोह के तीन साथी चोरों को अरेस्ट किया है। जिनके पास से चोरी किए समान और एक कैमरा जब्त किया गया ये तीनो चोर कटनी समेत कई जिलों में कार से ऑयल गिरने का झांसा दे चोरी की वारदात को अंजाम दिया करते थे। चोरों के पास से केश रूपयो समेत एक कैमरा एटीएम कार्ड समेत दो बैग जब्त किया गया है। कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा ने बताया की ये शातिर तीनो चोर चार पहिया वाहनों की रैकी करते हुए उन्हें रोककर और वाहन से इंजन ऑयल गिरने का झांसा देकर अपनी बातों में उलझाकर कार में रखे बैग और सामान को पार कर देते थे। तीनों आरोपियों ने कटनी जिले के सुशील मिश्रा के अलावा, अशोक कालोनी क्षेत्र निवासी मनोज कुमार गर्ग के साथ भी इसी तरह से वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने दोनों घटनाओं की एकरूपता को देखते हुए घटनास्थल के पास लगे सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेज प्राप्त कर संदेहियों को चिन्हित किया और उनकी पता तलाश हेतु

मुखबिर लगाए। इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि मुड़वारा स्टेशन के पास कुछ लोग संदिग्ध रूप से आने-जाने वाले वाहनों को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। सूचना पर तत्काल थाना से स्टाफ को रवाना कर संदिग्ध व्यक्तियों को घेराबंदी करके पकड़ा और पूछताछ की गई जो सभी बलसाड़ गुजरात का होना बताए। पकड़े गए संदिग्धों का हुलिया कद काठी हुबहू कारों से आयल गिरने का झांसा देकर सामान चोरी करने वाले आरोपियों के जैसा होने पर उन्हें थाना लाकर पूंछताछ की गई जो थाना क्षेत्र में घटित दोनों चोरी की घटनाओं को मिलकर अंजाम देना स्वीकार किए। पकड़े गए सभी आरोपी बलसाड़ गुजरात राज्य के है जो अलग.अलग शहरों में घूम घूम कर रैकी कर चोरी की घटनाओं को बड़े ही शातिर तरीके से अंजाम देते है और फिर शहर छोड़कर भाग जाते है। बाहरी होने के कारण सीसीटीव्ही फुटेज से भी इनकी पहचान कर पाना संभव नहीं हो पाता है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अमन पिता रमन जादव उम्र 19 वर्ष निवासी उमरगांव गांधी बाड़ी आजाद नगर जिला बलसाड़ गुजरात, राहुल पिता विश्वनाथ जादव उम्र 20 वर्ष निवासी उमरगांव गांधी बाड़ी आजाद नगर जिला बलसाड़ गुजरात व शंकर पिता हनुमंता गायकवाड़ उम्र 30 वर्ष निवासी उमरगांव गांधी बाड़ी आजाद नगर जिला बलसाड़ गुजरात शामिल हैं। आरोपियों के पास से 20 हज़ार पांच सौ रूपए नगद, 01 कैमरा कीमती 40 हज़ार रूपए, एटीम कार्ड, चैक बुक एवं दो बैग बरामद किया गया है।

एमएसपी को गारंटी कानून और किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य दिलाया जाए : भगत सिंह वर्मा

किसानों को अपने हकों के लिए आर्थिक आजादी की लड़ाई लड़नी होगी :- भगत सिंह वर्मा

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, ग्राम गंगदासपुर जट, पनियाली, गंजेड़ी, सलेमपुर, मायाहेडी में संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के नेतृत्व में किसान तिरंगा यात्रा ट्रैक्टर मार्च देश के अन्नदाता किसानों की समस्याओं को लेकर निकाला गया। किसान तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्र और प्रदेश सरकार की किसान और गरीब विरोधी नीतियों के चलते देश बर्बादी के कगार पर है और देश के अन्नदाता किसान कर्ज बंद होकर आत्महत्या कर रहे हैं। जो दिल्ली लुटियन जोन में बैठे बड़े नेता और बड़े अधिकारियों के लिए शर्मनाक बात है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पिछले 6 महीने से पंजाब, हरियाणा और देश के किसानों ने पंजाब के बॉर्डर पर डेरा जमाया हुआ है।

भाजपा की हरियाणा सरकार ने केंद्र की मोदी सरकार की शह पर देश के किसानों को दिल्ली नहीं जाने दिया जा रहा है। शंभू खनोरी डबवाली बॉर्डर पर कीले गाडकर भारी फोर्स तैनात करके रास्ते अवरुद कर दिए गए हैं। देश के अन्नदाता किसान दिल्ली अपने हकों को मांगने के लिए जा रहे हैं उन्हें दिल्ली राज सत्ता में भागीदारी नहीं चाहिए। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और भारतीय जनता पार्टी आंदोलन कर रहे किसानों की कोई सुनवाई नहीं कर रही है। भगत सिंह वर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी से महामहिम राष्ट्रपति से देश हित में देश के अन्नदाता किसानों के सभी कर्ज समाप्त करने, एम एस पी को गारंटी कानून बनाने, देश के अन्नदाता किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य दिलाने, मनरेगा योजना को खेती से जोड़कर किसानों को मजदूर उपलब्ध कराने, डॉ एम एस स्वामी नाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू करने, 58 वर्ष से अधिक उम्र के किसान मजदूर को प्रतिमाह ?10000 वृद्धावस्था पेंशन दिलाने, गन्ने का लाभकारी मूल्य 600 कुंतल गन्ना किसानों को दिलाने, चीनी मिलों से गन्ना भुगतान व ब्याज तत्काल गन्ना किसानों को दिलाने, देश में सभी को शिक्षा और चिकित्सा निःशुल्क दिलाने, छुट्टा व आवारा पशुओं से किसानों की फसल को बचाने की मांग की। जब तक किसानों की समस्याएं हल नहीं होगी तब तक देश के अन्नदाता किसानों का संघर्ष जारी रहेगा। किसान तिरंगा यात्रा व ट्रैक्टर मार्च में प्रदेश संगठन मंत्री धर्मवीर चौधरी, प्रदेश सचिव ऋषिपाल गुर्जर, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह एडवोकेट, जिला उपाध्यक्ष वसीम जहीरपुर, जिला मंत्री महबूब हसन, मंडल उपाध्यक्ष कृपाल सिंह, चौधरी नीरपाल सिंह गुर्जर, पदम सिंह चौधरी, रविंद्र सिंह, आकाश चौधरी, आजाद वीर पप्पू, हिमांशु चौधरी, दीपक चौधरी, महेंद्र सिंह, संत सिंह, प्रहलाद सिंह, चौधरी बाबूराम, सुशील भगत जी, भूपेंद्र चौधरी, अमन सिंह गिल, जितेंद्र गिल, रवि गिल सुमित वर्मा, हिमांशु बराड़, जगपाल सिंह सहित सैकड़ों किसानों ने भाग लिया।

पंचायत एवं नगरीय निकाय उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित

11 सितंबर को होगा मतदान

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रि-स्तरीय पंचायतों एवं नगरीय निकायों के उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। उप निर्वाचन के लिए मतदान 11 सितंबर 2024 को होगा। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेकसिंह ने जानकारी दी है कि त्रि स्तरीय पंचायतों एवं नगरीय निकायों के उप निर्वाचन के लिए निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन तथा नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का कार्य 21 अगस्त से शुरू होगा। नाम निर्देशन पत्र 28 अगस्त तक लिए जाएंगे। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 29 अगस्त को होगी। अभ्यर्थियों से नाम वापस लेने की तारीख 31 अगस्त है। इसी दिन निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन भी किया जाएगा। त्रि स्तरीय पंचायतों में मतदान सुबह 7 से अपरान्ह 3 बजे तक होगा। नगरीय निकायों में मतदान सुबह 7 से शाम 5 बजे तक होगा।

मतगणना एवं परिणाम की घोषणा

पंच पद के लिए मतगणना मतदान समाप्ति के तुरंत बाद की जाएगी। सरपंच एवं जनपद पंचायत सदस्य के लिए ईवीएम से की जाने वाली मतगणना विकासखण्ड मुख्यालय पर 15 सितम्बर को सुबह 8 बजे से होगी। परिणाम भी 15 सितंबर को ही घोषित किए जाएंगे। नगरीय निकायों में मतगणना एवं निर्वाचन परिणामों की घोषणा 13 सितंबर को सुबह 9 बजे से होगी। उप निर्वाचन में 5344 पंच, 34 सरपंच और 4 जनपद पंचायत सदस्य के लिए मतदान होगा। इसी तरह नगरीय निकायों में 13 पार्षदों के लिए मतदान होगा।

महान येथील घटना आमदार हरीश पिंपळे आमदार कडून शांततेचे आव्हान

पिंजर ठाणेदार गंगाधर दराडे माहिती मिळताच घटनास्थळी दाखल

डॉ संजय चव्हाण । सिटी चीफ
बार्शी टाकळी तालुक्यातील महान येथे पिंजर पोलीस स्टेशन अंतर्गत येत असलेल्या महान चौकी महान येथील 21 मेल परिसरात तेल्हारा येथून महान मार्गे माहूरगड कडे जाणाऱ्या दत्त महाराज पालखीवर दगडफेक झाल्याची घटना शनिवारी दुपारी तीन वाजून पन्नास वाजता घडली तेल्हारा तालुक्यातील पुन्हा तिथून अकोला बार्शीटाकळी महान मार्गे माहूरगड येथे जात असलेली दत्त महाराज पालखी महान येथील गजानन महाराज संस्थावर दुपारी जेवण करून माहूर कडे रवाना झाली व मंगरूळपी रोडवर असलेले 21 महिला काहीही समाजकंटकांनी दत्त महाराजांच्या पालखीवर दगडफेक केली त्यामुळे एकच गोंधळ उडाला गावात घटना माहिती मिळतात नागरिकांनी पिंजर पोलीस स्टेशन गाठले पिंजर

पोलीस स्टेशन पोलीस निरीक्षक गंगाधर दराडे बार्शीटाकळी पोलीस स्टेशनचे पोलीस निरीक्षक गिरीश खंडारे व त्यांचे पथक तेथे उपविभागीय पोलीस अधिकारी दाभाडे सर्व आमदार हरित पिंपळे यांनी घटनास्थळाला भेट दिली व त्या प्रकरणी पिंजर पोलिसांनी तीन अल्पवयीन युवकांना ताब्यात घेतले या घटनेमागे मास्टरमाइंड कोण आहे याचा तपास पोलीस घेत आहे.

मंगरूलपीर पुलिस की धडाके बाज कार्रवाई , नकली नोट बनाने की सामग्री के साथ चार आरोपी गिरफ्तार, 178950 मूल्य का माल जब्त

डॉ संजय चव्हाण । सिटी चीफ पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, मंगरुलपीर पुलिस ने भारतीय मुद्रा नोट बनाने की सामग्री ले जा रहे गिरोह के खिलाफ कार्रवाई की और 1,78,950 रुपये की सामग्री जब्त की. पुलिस स्टेशन मंगरूलपीर पर गोपनीय सूचना रसीद पर एक कैथिया रंग की इंडिगो कंपनी की कार क्रमांक एमएच 30- एएफ-1082 मे तीन ईसम नकली नोट बनाने के लिए जरूरी सामान नांदेड़ से एक लाख रूपये देकर लेकर आ रहे आरोपियों के पास से नकली भारतीय मुद्रा नोट बनाने की सामग्री, नकदी, मोबाइल फोन और वाहन 1,78,950 रुपये का माल जब्त किए गया ! मंगरुलपीर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करके चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उक्त कार्यवाही मा. श्री अनुज तारे पुलिस अधीक्षक वाशिम, मान. श्री भरत तांगड़े अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वाशिम, मा. श्रीमती नीलिमा अराज उपविभागीय पुलिस अधिकारी मंगरूलपीर, पुलिस निरीक्षक श्री सुधाकर आड़े के मार्गदर्शन में मंगरूलपीर पूलीसने अंजाम दिया।

समारोह में छात्रों को उनकी नेतृत्व क्षमता और उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न महत्वपूर्ण पदों के लिए चुना गया

देवबंद मेपल्स एकेडमी विद्यालय में अत्यंत गरिमापूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में वार्षिक इन्वेस्टिचर सेरेमनी हुई सम्पन्न

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, देवबंद मेपल्स एकेडमी प्रांगण में अत्यंत गरिमापूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में वार्षिक इन्वेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन किया गया। समारोह में छात्रों को उनकी नेतृत्व क्षमता और उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न महत्वपूर्ण पदों के लिए चुना गया। समारोह की शुरुआत विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. चित्रा जोशी के स्वागत से हुई। तत्पश्चात विद्यालय की झंडारोहण प्रक्रिया संपन्न की गई। जिसके बाद चुने गए विद्यार्थियों ने शपथ ग्रहण की। विद्यालय के नए कप्तान, उप- कप्तान और हाउस लीडर्स को उनकी जिम्मेदारियों का भार सौंपा गया। प्रधानाचार्या डॉ. चित्रा जोशी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को उनकी नई जिम्मेदारियों के प्रति निष्ठा और कर्तव्यपरायणता का पालन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व का अर्थ सिर्फ पद प्राप्त करना नहीं है, बल्कि अपने साथियों के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करना भी है। इस अवसर पर शिक्षकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और चुने गए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। समारोह का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। इस भव्य आयोजन ने न केवल छात्रों में नई ऊर्जा का संचार किया, बल्कि उन्हें आने वाले समय में जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए भी तैयार किया। समारोह का संचालन इशिका सवई एवं अवनि द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उत्कर्ष वत्स, अंजलि त्यागी, नंदिनी मिनोचा, नीलम सिंघल, अंकुर राठी, मानिक तोमर, विश्वास त्यागी, अश्विनी वत्स, प्रवेश त्यागी, मनीष बंसल, मनदीप कौर, असर्ला नाज़, सारिका गोयल, महवीश, हिना त्यागी, पायल मित्तल, सिम्मी मखीजा, प्रीति सिंघल आदि का सहयोग रहा।

तिरंगा हमारी जान भी है पहचान भी है और हर भारतवासी का गौरव है - भानु भुरिया

झाबुआ। हर घर तिरंगा अभियान को लेकर जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित हुई प्रेस वार्ता। भारतीय जनता पार्टी द्वारा दिनांक,11=15, अगस्त तक प्रारंभ किया जा रहे भाजपा के हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा जिला अध्यक्ष भानु भुरिया ने दिनांक ,10,अगस्त 2024 को जिला भाजपा कार्यालय झाबुआ में प्रेस वार्ता को संबोधित किया उक्त जानकारी देते हुए जिला भाजपा मीडिया प्रभारी योगेन्द्र नाहर ने बताया कि भाजपा जिलाध्यक्ष भानु भुरिया ने संबोधित करते हुए अभियान को लेकर मीडिया के समक्ष अपनी बात रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरी दुनिया में भारत का तिरंगा लहरा रहा है और हम सब का भी कर्तव्य बनता है विश्व के अंदर भारत के बढ़ते कदम को मजबूत करने के लिए अपने तिरंगे झंडे को ऊंचा करें जिससे कि भारत माता के परम वैभव विश्व के मानस पटल पर स्थापित किया जा सके।भुरीया ने कहा कि तिरंगा हमारी पहचान है और हर भारतवासी का गौरव है। इसे देखकर हर देशवासी के मन में राष्ट्रीयता की भावना जागृत हो जाती है। इसी दृष्टि से भारतीय जनता पार्टी द्वारा स्वतंत्रता

दिवस पर 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस अभियान के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं का प्रयास रहेगा कि जिले के प्रत्येक परिवारों तक तिरंगा ध्वज पहुंचे और उसे हर घर पर फहराया जाए।

15 अगस्त तक चलेगा अभियान भाजपा जिला अध्यक्ष भानु भुरिया ने बताया की लगभग एक सप्ताह का यह अभियान 11 अगस्त से शुरू होकर 15 अगस्त तक चलेगा ।हर घर तिरंगा अभियान में सरकार, समाज के साथ पार्टी संगठन की भूमिका होगी। समाज का हर वर्ग इस अभियान में सहभागिता करे, इसकी चिंता पार्टी कार्यकर्ता करेंगे।

महापुरुषों को याद कर तिरंगा यात्रा की होगी शुरुआत भुरीया ने बताया की हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत तिरंगा यात्राओं और महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण तथा उन्हें स्मरण करने के साथ होगी। युवा मोर्चा द्वारा 11, 12 व 13 अगस्त को प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। 12, 13, 14 अगस्त को स्वतंत्रता सेनानियों के स्मारकों पर माल्यार्पण किया जाएगा।

14 अगस्त को मनाया जाएगा विभाजन विभीषिका दिवस इस अभियान के दौरान 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस मनाया जाएगा। देश के विभाजन की विभीषिका में करीब 1.5 करोड़ परिवार विस्थापित हुए, लगभग 6 लाख लोग मारे गए। 1 लाख से अधिक महिलाओं से दुष्कर्म की घटनाएं हुईं, लेकिन ये काला अध्याय अधिकांश युवाओं की जानकारी में नहीं है। विभाजन की त्रासदी से देशवासियों को अवगत कराने तथा इसके लिए जिम्मेदार विघटनकारी ताकतों के प्रति देश को सतर्क करने के उद्देश्य से 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस पर प्रदर्शनियों, गोष्ठियों तथा अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु तैयार की गई योजना भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान को प्रदेश के के सभी जिले के सभी बूथों तक पहुंचाने के लिए जिला स्तर से लेकर मंडल स्तर तक समितियों का गठन किया गया है। इसके साथ ही इस आयोजन को ऐतिहासिक एवं प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक मंडल स्तर पर बैठकों का आयोजन किया जा रहा है इस अभियान में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ पार्टी के सभी सांसद, विधायक, जिला पंचायत और जनपद पंचायतों के अध्यक्ष, नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष, पार्षद, सरपंच एवं समस्त जनप्रतिनिधि इसमें शामिल होंगे।

पर्याप्त तिरंगा ध्वज की होगी व्यवस्था भानु भुरिया ने बताया कि अभियान के लिए पर्याप्त मात्रा में तिरंगे ध्वज उपलब्ध हो सकें, इसकी योजना बनाई जा रही है और आवश्यक होने पर इसके लिए स्व सहायता समूह की बहनों का सहयोग भी लिया जाएगा। घर-घर जाकर तिरंगा वितरण के अलावा शहरी क्षेत्रों में स्टाल लगाकर भी तिरंगे वितरित किए जाएंगे। हर घर तिरंगा अभियान भारत के स्वाभिमान एवं देश की शान तिरंगे को हर घर फहराने की राष्ट्र प्रेम की उस भावना को जागृत करने के इस अभियान में पार्टी ही नहीं बल्कि समाज, देश और प्रदेश की जनता की सहभागिता को भी सुनिश्चित करना है। भुरीया ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए पार्टी के सभी कार्यकर्ता पदाधिकारियों एवं जिले की जनता से बढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है।

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने 2.810 किलोग्राम अफीम, 513 ग्राम मेथमफेटामाइन पाउडर आदी जप्त किये

नीमच - सीबीएन ने तीन अलग-अलग ऑपरेशन में 2.810 किलोग्राम अफीम, 513 ग्राम मेथमफेटामाइन पाउडर और 178.300 किलोग्राम पोस्ता भूसा जब्त किया।मादक द्रव्य निरोधक ऑपरेशन के क्रम में, विशेष सूचना के आधार पर, केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन), गरोठ और सीबीएन नीमच के अधिकारियों ने 09.08.2024 को ग्राम निमथुर, थाना भानपुरा, तहसील-भानपुरा, जिला-मंदसौर (म.प्र.) के पास झालावाड़ भानपुरा रोड पर एक मोटरसाइकिल और एक कार को उनके सवारों के साथ रोका और कुल 2.810 किलोग्राम अफीम बरामद की। विशेष सूचना के आधार पर, दिनांक 07.08.2024 को एक अन्य ऑपरेशन में, सीबीएन के अधिकारियों ने नीमच ने दस नंबर नाका रोड से एमआईटी चौराहा रोड, तहसील-मंदसौर, थाना वाई डी नगर, जिला-मंदसौर (म.प्र.) पर तीन व्यक्तियों के साथ दो मोटरसाइकिलों को रोका, कुल 513 ग्राम मेथमफेटामाइन पाउडर जब्त किया और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 की संबंधित धाराओं के तहत 03 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। 06.08.2024 को, सीबीएन नीमच के अधिकारियों ने ग्राम पलासिया, थाना सिंगोली, तहसील सिंगोली, जिला नीमच (म.प्र.) में एक संदिग्ध घर/बाड़े की पहचान की और तलाशी ली, कुल 178.300 किलोग्राम (सीपीएस के 40.800 किलोग्राम सहित) पोस्ता स्ट्रा जब्त किया और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 की संबंधित धाराओं के तहत एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आगे की जांच चल रही है। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो देश के ड्रग कानूनों को लागू करने के अपने मिशन में सतर्क है और सभी सुरागों और खुफिया सूचनाओं को पूरी तत्परता से आगे बढ़ाता रहेगा। जनता को ड्रग तस्करी से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना CBN को देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

मुर्तीजापुर विधानसभा मतदार संघात रवी राठीना जनतेचा मोठा प्रतिसाद

स्थानिक उमेदवार असल्यामुळे रवि राठी चर्चेत

डॉ संजय चव्हाण । सिटी चीफ

महाराष्ट्रा मध्ये आगामी विधानसभा निवडणूक पाहता मुर्तीजापुर मतदारसंघात अनेक पक्षांनी या मतदारसंघावर दावे केले आहे मात्र मुळातच राष्ट्रवादीचा मतदारसंघ असलेला मुर्तीजापुर विधानसभा मतदारसंघात यावेळेस सुद्धा राष्ट्रवादी लाच सुटणार असल्यामुळे अनेक उमेदवारांनी आपली पसंती राष्ट्रवादी पक्षा कडे दाखवली आहे व उमेदवारी सुद्धा मागितली आहे

आगामी काळात होणाऱ्या विधानसभा निवडणुकीत मुर्तीजापुर मतदार संघ हा महाविकास आघाडीतील राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार पक्षाच्या गटाला 100त्न सुटणार आहे.

यामध्ये अनेक उमेदवारांनी उमेदवारी मिळण्या करिता पक्षाच्या प्रमुखा पासून ते स्थानिक पदाधिकारी कार्यकर्त्यांना भेटण्या करिता व आपल्या बाजूने पदाधिकारी कार्यकर्त्यांनी उभे राहण्या करिता आपली ताकद पणाला लावली आहे यामध्ये राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी ला उमेदवारी मागणाऱ्यान मध्ये जिल्हा परिषद सदस्य सम्राट भाऊ डोंगरदिवे , आनंद उर्फ पिंटू वानखडे, प्रा. कांबळे, ?ड शेखर वाकोडे, गोपालराव कठाडे, शामराव वाहूरवाघ यांनी सुद्धा राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टीच्या उमेदवारी मिळन्या साठी आग्रह धरला आहे व त्यांनी सुद्धा आता मतदारसंघात प्रचाराला सुरुवात केली आहे तसेच आता राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टीचे मागील पंचवार्षिकचे पराभूत उमेदवार रा. कॉ प्रदेश संघटन सचिव रवी राठी हे सुरवाती पासूनच प्रचारात अग्रेसर झाले असून यांनी गाव

भेटी कॉर्नर सभा याकडे लक्ष केंद्रित केले आहे असे असताना राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार गटाचे प्रदेश संघटक सचिव रवी राठी हे गेल्या अनेक वर्षा पासून आंदोलनाच्या माध्यमातून पक्षाच्या मेळाव्याच्या माध्यमातून पदाधिकारी कार्यकर्त्यांन च्या संपर्कात सतत राहून मोठ्या प्रमाणात मतदारसंघात सक्रिय झाले असून सध्या स्थितीत सामान्य जनतेच्या मनात व मूर्तिजापूर विधानसभा मतदारसंघात रवी राठी यांना रा. कॉ पक्षाची उमेदवारी मिळणारच अशी संपूर्ण मतदार संघा मध्ये चर्चा सुरु आहे. तसेच स्थानिक उमेदवार असलेले रवी राठी यांनी मागील पंचवार्षिक विधानसभा निवडणूकी मध्ये 42000 हजार मतदान घेऊन तिसऱ्या क्रमांकावर होते त्यावेळेस सुद्धा त्यांचा पक्ष पातळीवर मोठा जनसंपर्क असल्यामुळे व पदाधिकारी कार्यकर्ते व सामान्य नागरिकांच्या मोठ्या प्रमाणत जनसंपर्क असल्यामुळे त्यांनाच शरदचंद्र पवार गटातर्फे उमेदवारी मिळण्याची चर्चा सध्या संपूर्ण मूर्तिजापूर मतदार संघात रंगू लागली आहे यावेळेस होणाऱ्या विधानसभा निवडणुकीमध्ये रवी राठी हेच राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार पक्षाच्या गटाचे उमेदवारी मिळणार असल्याची चर्चा संपूर्ण विधानसभा मतदार संघा मध्ये सुरु आहे....!

तसेच 2 महिन्या अगोदर लोकसभा निवडणुकीत राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टीचे प्रदेश संघटक सचिव रवी राठी हे महाविकास आघाडीचे स्टार प्रचारक झाले होते व डॉ अभय पाटील यांच्या करिता त्यांनी मूर्तीजापुर मतदार संघात संपूर्ण पिंजून काढला होता व महाविकास आघाडीचे उमेदवार डॉ अभय पाटील यांच्यासाठी प्रचार केला होता त्यावेळेस विधानसभे च्या उमेदवारी मागणाऱ्यान पैकी फक्त रवी राठी हेच राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टीचे एकमेव पदाधिकारी होते ज्यांनी डॉक्टर अभय पाटील यांच्यासाठी रात्र दिवस एक करून महाविकास आघाडीच्या पदाधिकारी कार्यकर्त्यांना सोबत घेऊन प्रचार केला होता याची दखल राष्ट्रवादी काँग्रेस पक्षाचे पक्ष प्रमुख घेतील व रवी राठी यांनाच उमेदवारी देतील अशी चर्चा मूर्तिजापूर मतदार संघा मध्ये सुरु आहे...!!

मुर्तीजापुर मतदार संघ कर्तव्यदक्ष आमदार हरीश भाऊ पिंपळे यांचा उपक्रम

डॉ संजय चव्हाण । सिटी चीफ

महाराष्ट्र इमारत इतर व बांधकाम कामगार कल्याणकारी मंडळ यांच्यामार्फत बांधकाम कामगारांना आमदार हरीश भाऊ मारुती आप्पा पिंपळे साहेब यांच्या हस्ते मोफत किचन सेट वाटप करण्यात आले आपल्या मुर्तीजापुर मतदारसंघातील कष्टकरी कामगाराच्या हितासाठी आमदार हरीश भाऊ सदैव त्यांच्या पाठीशी असल्याची गवाही या कार्यक्रमा वेळी दिली

जनतेला आव्हान आहे बांधकाम इमारत व इतर कामगार

कल्याणकारी मंडळ या योजनेचा जास्तीत जास्त बांधवांनी लाभ घ्यावा विशेषता या प्रोग्राम मध्ये लाभार्थी महिलांना योजनेचे लाभ देताना मुर्तीजापुर मतदारसंघांमध्ये दमदार नेतृत्व असलेले बीजेपीचे आमदार हरीश भाऊ पिंपळे साहेब यांनी गोरगरिबांना या योजनेचा फायदा घ्यावा अशी माहिती दिली

मुर्तीजापुर मतदार संघामध्ये मोठ्या प्रमाणात निधी खेचून आणली मतदार संघातील प्रत्येक गावामध्ये निधी वाटप केले आहे मोतीजापूर मतदारसंघांमध्ये योजना महर्षी नाव पुढे येत आहे

पिपलौदा नगर में निकली तिरंगा रैली

पिपलौदा - नगर परिषद पिपलौदा द्वारा शासन के निर्देशानुसार सीएम राइज विद्यालय एवं उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र छात्राओं के साथ नगर में तिरंगा रैली निकाली गई । जिसमे शासन के निर्देशानुसार 09 अगस्त से 15 अगस्त तक हर ,घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत प्रत्येक मकान एवं दुकान पर तिरंगा झंडा लगाया जाने हेतु जागरूकता रैली का आयोजन किया गया । तिरंगा रैली नगर के सीएम राइज विद्यालय प्रांगण से शहीद स्मारक शिला फलकम पर माल्यार्पण कर नगर परिषद पिपलौदा अध्यक्ष श्रीमती उपमा श्यामबिहारी पटेल द्वारा शुभारंभ किया गया तिरंगा रैली नगर भ्रमण करती हुए झाला चौराहा पहुंची जहां अमर शहीद मोहन सिंह जी झाला की प्रतिमा पर नगर परिषद पिपलौदा अध्यक्ष श्रीमती उपमा श्यामबिहारी पटेल एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी अनवर गौरी एवं सभी पार्षदगण ,पार्षद प्रतिनिधि द्वारा माल्यार्पण किया जहां से नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई पुन: विद्यालय प्रांगण पर रैली का समापन हुआ इस अवसर पर रैली में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती उपमा श्यामबिहारी पटेल ,पार्षद श्यामबिहारी पटेल , प्रहलाद जाट,पार्षद प्रतिनिधि अश्विन गौड़ ,राजेश पाटीदार, राकेश शरण एवं सीएम राइज विद्यालय के प्राचार्य संजय शर्मा , उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य मनीष सुपेकर सभी शिक्षकगण एवं 600 से अधिक छात्र ,छात्राओं एवं जनप्रतिनिधिगण ,नगर परिषद के सभी अधिकारी ,कर्मचारीगण उपस्थित थे ।

सार्वजनिक बोली के बाद पलटे लोगों को पंचायत देगी नोटिस

मामला ग्राम पंचायत आम्बूआ की सात दुकान नीलामी का

आम्बूआ - ग्राम पंचायत आम्बूआ अंतर्गत न्यू बस स्टैंड पर शासकीय सात दुकानों का निर्माण किया गया था। जिसकी नीलामी ग्राम पंचायत द्वारा जनपद पंचायत सीईओ गोपाल प्रजापति एवं तहसीलदार मंजुला डावर की उपस्थिति में सरपंच सचिव ने सातों दुकानों एक नंबर से लेकर सात नंबर तक की दुकानों की नीलामी विधिवत की गई थी। इस बोली में जिले के अलावा अन्य जिलों के लोगों ने भी भाग लेकर बोली लगाई। बोली लगाने वाले को 25त्न राशि सात दिनों में जमा करना थी एवं शेष राशि तीस दिनों के अंदर जमा करने का विज्ञप्ति में उल्लेख किया गया था। दुकानों की विज्ञप्ति के अनुसार तीन आवंटित दुकानो की 25त्न राशि 7 दिनों मे जमा कर दी गई। पांच नंबर दुकान जो पिछडा वर्ग के लिए आरक्षित थी, पर्याप्त राशि नहीं होने से उपस्थित अधिकारियों ने तत्काल निरस्त कर दी थी!

नहीं कराई बोली अनुसार राशी होगी कार्यवाही। इन तीनों ने सात दिनों में विज्ञप्ति के अनुसार राशि जमा नहीं करने पर पंचायत द्वारा स्वत निरस्त कर दी गई।

फिर से होगी नीलामी सात दुकानों में से तीन दुकानों की राशि जमा हो गई है,एवं एक दुकान निरस्त कर दी गई थी,शेष तीन दुकानों की नीलामी राशि जमा नहीं करने पर पुन: नीलामी की जावेगी।

बोली लगाने वाले लोगो मैं रोष जरूरतमंद लोगों ने जिसने दुकान नीलामी में हिस्सा लिया था उनका कहना है कि हम गरीबों को रोजगार के लिए दुकान की आवश्यकता थी मगर पैसे वालों ने दुकानों की बोली की कीमत बढ़ाकर ना हमें लेने दी और ना खुद ने राशि जमा की। ऐसे लोगों को दूसरी बार बोली लगाने का अधिकार नहीं देना चाहिए। तीन दुकानों की बोली लगाने के बाद समय अवधि में 25% राशि जमा नहीं की उन्हें नोटिस दिया जाएगा एवं एक दुकान कम राशि की बोली लगने के कारण निरस्त की गई थी, उन दुकानों पुण: नीलामी की जाएगी। और उन लोगों को जिन्होंने बोली लगाकर दुकान नहीं ली है वह हिस्सा नहीं ले पाएंगे। एवं ऐसे लोगों के खिलाफ ग्राम पंचायत द्वारा नोटिस जारी किया जा रहा है।

नवलसिंह डुडवे सचिव- ग्राम पंचायत आम्बूआ

प्रधानमंत्री ने किया लैंडस्लाइड प्रभावित इलाकों का दौरा, पीड़ितों से बोले- मुश्किल वक्त में आप अकेले नहीं

पीएम मोदी नहीं रोक पाए आंसू

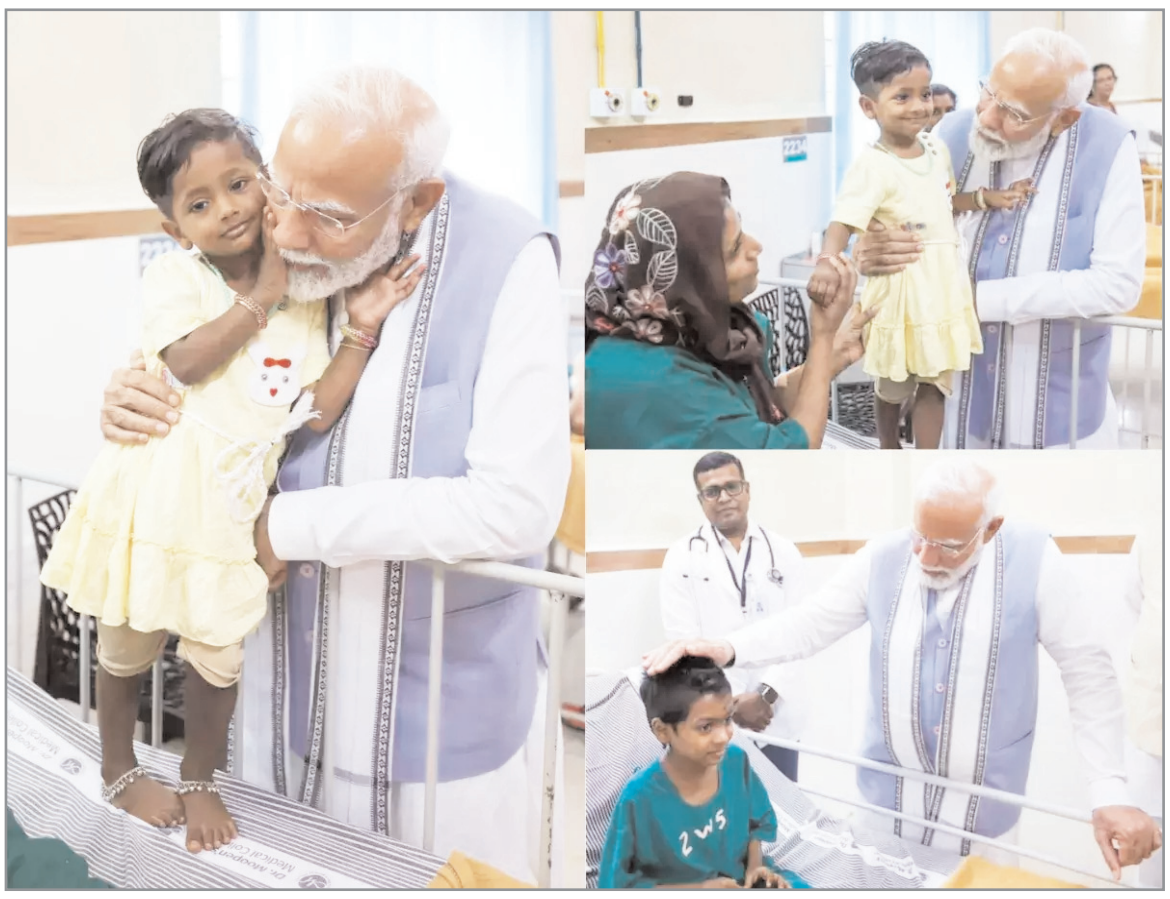

नई दिल्ली/वायनाड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को केरल के वायनाड जिले के भूस्खलन से तबाह हुए इलाकों का दौरा किया। चूरलमाला पहुंचे पीएम मोदी ने एक राहत शिविर का भी दौरा किया, जिसमें बड़े पैमाने पर भूस्खलन में विस्थापित हुए कई लोग रहते हैं। यहां प्रधानमंत्री ने रेस्क्यू किए गए लोगों से बातचीत की, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं, जिन्होंने इस आपदा में अपने प्रियजनों को खो दिया है। इनसे बातचीत के दौरान पीएम अपने आंसू नहीं रोक पाए। मोदी कन्नूर हवाई अड्डे से हेलीकॉप्टर द्वारा पहाड़ी जिले में पहुंचे। उन्होंने नुकसान का आकलन करने के लिए प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। बाद में, प्रधानमंत्री ने दोपहर करीब 2.30 बजे मेप्पाडी में शिविर का दौरा किया और वहां लगभग आधे घंटे तक कुछ बचे हुए लोगों से बातचीत की। मोदी ने पीड़ितों के सिर और कंधों पर हाथ रखा, जब वे प्रधानमंत्री को अपनी आपबीती सुनाते हुए रो पड़े। कलपेट्टा में उतरने से पहले मोदी ने भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर से भूस्खलन से तबाह हुए चूरलमाला, मुंडक्कई और पंचिरिमट्टम बस्तियों का हवाई सर्वेक्षण किया। वे कलपेट्टा में एसकेएमजे हायर सेकेंडरी स्कूल में उतरे और फिर सड़क मार्ग से चूरलमाला पहुंचे, जहां आपदा के बाद सेना ने 190 फुट लंबा बेली ब्रिज बनाया था। प्रधानमंत्री ने नुकसान का जायजा लेते हुए पुल पर पैदल यात्रा की। चूरलमाला पहुंचने के बाद मोदी अपने वाहन से उतरे, बचाव कर्मियों, राज्य के मुख्य सचिव वी वेणु और जिला अधिकारियों से बातचीत की और पैदल ही पत्थरों और मलबे से अटे इलाके का सर्वेक्षण किया। उनके साथ केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी भी थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, जब से मुझे इस घटना के बारे में पता चला है, तब से मैं भूस्खलन के बारे में जानकारी ले रहा हूं। केंद्र सरकार की सभी एजेंसियां जो इस आपदा में मदद कर सकती थीं, तुरंत काम पर लग गईं। यह आपदा सामान्य नहीं है। हजारों परिवारों के सपने चकनाचूर हो गए हैं। मैंने मौके पर जाकर स्थिति देखी है। मैंने राहत शिविरों में पीड़ितों से मुलाकात की, जिन्होंने इस आपदा का सामना किया। मैंने अस्पताल में घायल मरीजों से भी मुलाकात की।

पीएम ने कहा कि हमारी प्रार्थनाएं वायनाड में भूस्खलन से प्रभावित लोगों के साथ हैं। केंद्र राहत प्रयासों में सहायता के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन हमने दिया है। मैं भूस्खलन से बचे लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि वे इस मुश्किल समय में अकेले नहीं हैं। सीएम पिनाराई विजयन ने कहा है कि वे केंद्र से आवश्यक सहायता के बारे में विस्तृत ज्ञापन भेजेंगे। हमारी केंद्रीय टीमों ने भी स्थिति का आकलन किया है। भारत सरकार सभी समस्याओं को हल करने के लिए राज्य सरकार के साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने पुंचिरिमट्टम, मुंडक्कई और चूरलमाला के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों का भी निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री के काफिले द्वारा चूरलमाला जाने वाले मार्ग के किनारे सैकड़ों लोग उनकी एक झलक पाने के लिए सड़कों के किनारे जमा थे। बता दें कि 30 जुलाई की सुबह केरल में आई सबसे भीषण आपदाओं में से एक में 226 लोगों की जान चली गई और 130 से अधिक लोग लापता हैं। वहीं सैकड़ों लोग इस आपदा में घायल हुए हैं।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने दिया बड़ा बयान

इंदिरा गांधी की तानाशाही के आगे झुकी न्यायपालिका

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति और देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इमरजेंसी को लेकर कांग्रेस सरकार पर फिर से बड़ा हमला बोला है। उन्होंने शनिवार को राजस्थान हाईकोर्ट की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि अगर न्यायपालिका इंदिरा गांधी की तानाशाही के आगे नहीं झुकी होती, तो इमरजेंसी की स्थिति नहीं बनती। हमारा देश बहुत पहले ही इससे भी ज्यादा विकास कर चुका होता। हमें दशकों तक इंतजार नहीं करना पड़ता। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि इमरजेंसी के दौरान एक शख्स द्वारा स्वतंत्रता को बंधक बना लिया गया था। बिना किसी की गलती के गिरफ्तार किए गए लोगों को न्यायिक मदद लेने से रोक दिया गया था। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 9 हाई कोर्ट के फैसलों को पलट दिया था, जिन्होंने पीड़ितों के पक्ष में फैसला सुनाया था। जगदीप धनखड़ ने कहा कि विधायिका न्यायिक फैसले नहीं लिख सकती है और न्यायपालिका कानून नहीं बना सकती है। हमारे संविधान में सभी संस्थाओं की भूमिका साफ तौर पर दी हुई है। धनखड़ ने आगे कहा कि मुझे इस संस्था का हिस्सा होने पर गर्व है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जब इमरजेंसी लागू की गई थी तो उस समय सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जब तक आपातकाल रहेगा, तब तक कोई भी व्यक्ति अपने अधिकारों के लिए किसी भी कोर्ट का रुख नहीं कर सकता है। जब तक सरकार चाहे, आपातकाल चल सकता है। सभापति ने कहा कि युवा लोगों को इमरजेंसी के बारे में जानकारी नहीं है। हम सभी मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हर भारतीय इमरजेंसी के काले दौर और उसके नतीजों के बारे में पूरी तरह जान सकें। उन्होंने कहा कि आपातकाल सबसे क्रूर, सबसे काला दौर था। उन्होंने कहा कि उस समय न्यायपालिका की एक बहुत ही उच्च संस्था, तत्कालीन प्रधानमंत्री के तानाशाही शासन के आगे झुक गई। लाखों लोगों को जेल में डाल दिया गया। सभी को काफी अपमान भी सहना पड़ा। इस देश के लोगों के लिए उस काले दौर को भूलना बिल्कुल भी सही नहीं होगा।

जयशंकर ने कहा-मालदीव कोई साधारण पड़ोसी नहीं हमारा संबंध बहुत अहम

नेशनल डेस्क। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि मालदीव भारत का कोई साधारण पड़ोसी नहीं है और इस बात पर जोर दिया कि नयी दिल्ली उसका प्रोत्साहन करना जारी रखेगा और द्वीपीय देश के साथ मित्रता व्यक्त करने के व्यावहारिक तरीके ढूंढेगा।

जयशंकर ने अपनी तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान यहां भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत करते हुए यह भी बताया कि भारत अपने प्रवासियों को किस प्रकार महत्व देता है तथा भारतीय मूल के सदस्यों का विश्व भर में क्या प्रभाव है।उनकी यात्रा का उद्देश्य पिछले वर्ष चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के पदभार ग्रहण करने के बाद द्विपक्षीय संबंधों को पुन: स्थापित करना है। मुइज्जू के पद संभालने के बाद भारत की ओर से देश की यह पहली उच्चस्तरीय यात्रा है। मालदीव स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार, देश में भारतीय प्रवासी समुदाय की संख्या लगभग 27,000 है। स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में उनकी मजबूत उपस्थिति है। वहां भारतीय अकुशल श्रमिक हैं और उनमें से अधिकांश निर्माण क्षेत्र में लगे हुए हैं। प्रवासी कार्यक्रम से पहले जयशंकर ने राष्ट्रपति मुइज्जू से मुलाकात की और दोनों देशों तथा क्षेत्र के लोगों के लाभ के लिए भारत-मालदीव संबंधों को गहरा करने की नयी दिल्ली की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने डिजिटल माध्यम से मालदीव को 28 द्वीपों पर भारत से प्राप्त 11 करोड़ अमेरिकी डॉलर की लागत वाली एक विशाल जल एवं स्वच्छता परियोजना का उद्घाटन किया।

प्रदर्शनकारियों के दबाव में चीफ जस्टिस ने दिया इस्तीफा

ढाका- बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश ओबैदुल हसन ने शेख हसीना सरकार के पतन के पांच दिन बाद छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के मद्देनजर शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। न्यायमूर्ति हसन के अलावा शीर्ष अदालत की अपीलीय डिवीजन के पांच न्यायाधीशों ने भी पद से इस्तीफा दे दिया। उच्चतम न्यायालय के जनसंपर्क अधिकारी मोहम्मद शफीकुल इस्लाम ने मीडिया को बताया कि हसन के इस्तीफे के बाद अपीलीय डिवीजन के न्यायाधीश मोहम्मद अशफाकुल इस्लाम को कार्यवाहक प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। प्रधान न्यायाधीश (65) ने अपना निर्णय दोपहर करीब एक बजे उस समय घोषित किया, जब भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के प्रदर्शनकारी अदालत परिसर में एकत्र हुए। प्रदर्शनकारी छात्रों ने हसन और अपीलीय डिवीजन के न्यायाधीशों को दोपहर एक बजे तक इस्तीफा देने का समय दिया था। नवगठित अंतरिम सरकार के कानूनी सलाहकार प्रोफेसर आसिफ नजरुल ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''मुझे लगता है कि आपको एक खास खबर बताना जरूरी है। हमारे प्रधान न्यायाधीश ने कुछ मिनट पहले ही इस्तीफा दे दिया है। उनका त्यागपत्र कानून मंत्रालय को प्राप्त हो चुका है। नजरुल ने कहा कि त्यागपत्र राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को ''आवश्यक कदम उठाने के लिए बिना किसी देरी के भेजा जाएगा और उन्हें उम्मीद है कि यह प्रक्रिया बहुत जल्द पूरी हो जाएगी। इस घोषणा के कुछ ही घंटों बाद शीर्ष अदालत के रजिस्ट्रार जनरल अजीज अहमद भुइयां ने संवाददाताओं को बताया कि उच्चतम न्यायालय के पांच अन्य न्यायाधीशों ने कानून मंत्रालय के माध्यम से राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया। भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के समन्वयकों में से एक हसनत अब्दुल्ला ने सुबह 11 बजे प्रधान न्यायाधीश और अपीलीय डिवीजन के न्यायाधीशों के इस्तीफे की मांग करते हुए उन्हें इसके लिए दोपहर एक बजे तक का समय दिया था। छात्रों और अन्य प्रदर्शनकारियों के ताजा विरोध-प्रदर्शन के मद्देनजर ढाका विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ मकसूद कमाल और बांग्ला अकादमी के महानिदेशक प्रोफेसर डॉ मोहम्मद हारुन-उर-रशीद असकरी सहित कई अन्य शीर्ष अधिकारियों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। इससे पहले, प्रधान न्यायाधीश हसन ने उच्चतम न्यायालय के दोनों डिविजन के सभी न्यायाधीशों के साथ पूर्ण न्यायालय की बैठक बुलाई थी। हालांकि, प्रदर्शनकारी छात्रों ने पूर्ण न्यायालय की बैठक बुलाने को ''न्यायिक तख्तापलट के रूप में देखा और उच्च न्यायालय परिसर की घेराबंदी की घोषणा की। छात्रों के विरोध के मद्देनजर, प्रधान न्यायाधीश हसन ने बैठक स्थगित कर दी और बाद में कहा कि वह पद से इस्तीफा दे देंगे। सैकड़ों प्रदर्शनकारी छात्रों के एकत्र होने के कारण बांग्लादेशी सेना के जवानों को उच्चतम न्यायालय परिसर में तैनात किया गया। प्रधान न्यायाधीश ने उच्चतम न्यायालय परिसर में पत्रकारों को बताया कि उन्होंने बदलती परिस्थितियों के बीच देश भर में उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय और निचली अदालतों के न्यायाधीशों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस्तीफा देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, ''इस्तीफे के लिए कुछ औपचारिकताएं हैं। उन्हें पूरा करके मैं आज शाम तक राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को अपना इस्तीफा भेज दूंगा।%% यह पूछे जाने पर कि क्या उच्चतम न्यायालय के अन्य न्यायाधीश भी इस्तीफा देंगे, प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''यह उनका फैसला है।%% बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद सोमवार को प्रधानमंत्री हसीना ने पद से इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर भारत चली गई थीं। इसके बाद, 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली।

तुर्किये ने इंस्टाग्राम पर लगाया प्रतिबंध हटाया, 2 अगस्त को अचानक लगा दिया था बैन

इस्तांबुल। तुर्किये ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम तक उपयोगकर्ताओं की पहुंच शनिवार को बहाल कर दी। देश के सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी प्राधिकरण ने दो अगस्त को बिना कोई विशेष कारण बताए इंस्टाग्राम तक पहुंच प्रतिबंधित कर दी थी। बाद में सरकारी अधिकारियों ने कहा था कि प्रतिबंध इसलिए लगाया गया, क्योंकि सोशल मीडिया मंच तुर्किये के कानूनों का पालन करने में विफल रहा है। तुर्किये के परिवहन एवं बुनियादी ढांचा मंत्री अब्दुलकादिर उरालोग्लू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इंस्टाग्राम के अधिकारियों के साथ बातचीत में हमें आश्वासन दिया गया कि हमारा अनुरोध स्वीकार किया जाएगा, खासतौर पर आपराधिक गतिविधियों से संबंधित अनुरोध। हमसे वादा किया गया कि हम उपयोगकर्ताओं को सेंसर करने के उपायों पर मिलकर काम करेंगे। उरालोगलू ने एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए बताया कि इंस्टाग्राम तुर्किये के कानून का अनुपालन सुनिश्चित करेगा और जिन मामलों में कानून का उल्लंघन किया गया है, उनमें त्वरित एवं प्रभावी हस्तक्षेप करेगा। मंत्री ने कहा कि आतंकवादी संगठनों से जुड़े सभी अकाउंट पर प्रतिबंध लगाया जाएगा और पीकेके, पीवाईडी तथा एफईटीओ सहित ऐसे सभी संगठनों के एजेंडे को बढ़ावा देने वाली प्रत्येक सामग्री हटा दी जाएगी। पीकेके (कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी) एक प्रतिबंधित संगठन है, जिसने दक्षिण-पूर्वी तुर्किये में एक स्वायत्त क्षेत्र स्थापित करने के लिए तुर्किये के भीतर दशकों से विद्रोह छेड़ रखा है वहीं, पीवाईडी एक सीरियाई कुर्द राजनीतिक संगठन है, जिसे तुर्किये के अधिकारी पीकेके की शाखा बताते हैं। एफईटीओ राष्ट्रपति रेसेप तय्यप एर्दोआन के पूर्व सहयोगी फेतुल्लाह गुलेन के नेतृत्व वाला संगठन है, जिसे तुर्किये सरकार 2016 में तख्तापलट की नाकाम कोशिश के लिए जिम्मेदार ठहराती है। तुर्किये में इंस्टाग्राम के उपयोगकर्ताओं की संख्या 5.7 करोड़ से अधिक है। इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स ऑपरेटर्स एसोसिएशन का अनुमान है कि तुर्किये में इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया मंच पर रोजाना औसतन 93 करोड़ लीरा के उत्पादों की बिक्री होती है।

ब्राजील विमान क्रैश में मारे गए सभी 62 लोगों के शवों के टुकड़े बरामद

इंटरनेशनल डेस्क: ब्राजील के साओ पाउलो प्रांत में शुक्रवार को हुए विमान हादसे में मारे गए सभी 62 लोगों के अवशेष (शवों के टुकड़े) बरामद होने के साथ ही बचाव अभियान समाप्त कर दिया गया। मृतकों के परिजन अपने प्रियजनों की शिनाख्त करने और उन्हें दफनाने के लिए साओ पाउलो पहुंच रहे हैं। विमानन कंपनी वेपास ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त 'एटीआर72% विमान में 58 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे। उसने बताया कि विमान ग्वारूलोस में साओ पाउलो के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहा था, तभी यह विन्हेडो में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कंपनी ने पहले बताया था कि उसके विमान में 62 यात्री सवार थे, लेकिन बाद में उसने संख्या को संशोधित कर 61 कर दिया और शनिवार सुबह एक बार फिर संख्या बढ़ा दी, जब उसने पाया कि कॉन्स्टेंटिनो माइया नामक यात्री का नाम उसकी मूल सूची में नहीं था। साओ पाउलो सरकार ने एक बयान में कहा कि बचाव अभियान शनिवार को स्थानीय समयानुसार शाम 6.30 बजे समाप्त हो गया। उसने बताया कि फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने विमान के पायलट और सह-पायलट के शवों की पहचान कर ली है तथा मलबे से 34 पुरुषों व 28 महिलाओं के शव बरामद किए गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569